केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
17 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जिंदगी का हर फैसला हमारा नहीं होता,कुछ फैसले वक्त और हालात तय करते हैं।

वर्ष : 17 अंक : 42 | उज्जैन, बुधवार 22 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

दाखिल-खारिज के लिए अब लगेंगे 200, 30 हजार गरीबों को मिलेगा जमीन का पर्चा

पटना/ जीएनएस। मंगलवार को बिहार विधानसभा की दूसरी पाली की कार्यवाही के दौरान सात विधेयक पारित किए गए। इनमें बिहार जुआ (प्रतिषेध) विधेयक, 2026, बिहार माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार कृषि भूमि (गैर कृषि प्रयोजनों के लिए सम्परिवर्तन) (निरसन) विधेयक,2026, बिहार भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार चिकित्सा (संशोधन) विधेयक, 2026, बिहार नर्सेज पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 और बिहार चीनी उपक्रम (अर्जन) (संशोधन) विधेयक, 2026 शामिल हैं। खास बात यह कि बिहार जुआ (प्रतिषेध) विधेयक, 2026 को पारित करने में सदन के सभी सदस्यों ने सहमति दी यानी यह विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ। वहीं, बिहार भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने से अब राज्य में दाखिल-खारिज कराने के लिए 200 रुपये शुल्क देना पड़ेगा। जल्द ही ये सभी विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति मिलेगी और फिर यह कानून के तौर पर लागू हो जाएगा। बता दें कि ये सभी विधेयक सोमवार को विधानसभा में वितरित किए गए थे। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने सदन में बिहार कृषि भूमि (गैर कृषि प्रयोजनों के लिए सम्परिवर्तन) (निरसन) विधेयक, 2026 और बिहार भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक, 2026 को पेश किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा राज्य के 30 हजार भूमिहीनों को बासगीत पर्चा दिया जाएगा। विपक्ष द्वारा दाखिल-खारिज शुल्क का विरोध करने और गरीबों पर आर्थिक बोझ देने पर मंत्री ने कहा कि गरीब जमीन नहीं खरीदता है। भूमिहीनों को सरकार तीन डिसमिल जमीन दे रही है। उन्होंने कहा कि बिहार एक लोक कल्याणकारी राज्य है। राज्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए राजस्व वृद्धि की आवश्यकता है। राज्य सरकार द्वारा लगातार विकास के कार्य किए जा रहे हैं। ऐसे में राजस्व की बढ़ोतरी आवश्यक है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने सदन में बिहार जुआ (प्रतिषेध) विधेयक, 2026 को पेश किया।

बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को हर महीने मिलेंगे 1500 रुपये

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल की नई भाजपा सरकार ने सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ा फैसला लेते हुए वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन की मासिक राशि 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये करने की घोषणा की है। राज्य सचिवालय नवान्न की ओर से जारी एक अधिसूचना में इस निर्णय की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अपने एक्स हैंडल पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि राज्य के जरूरतमंद लोगों को अधिक मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। राज्य की जनता ने जिस विश्वास के साथ राष्ट्रवादी सरकार को चुना है, उस भरोसे पर खरा उतरना सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को अधिक मजबूत सामाजिक सुरक्षा मिलेगी और उनके दैनिक जीवन में आर्थिक राहत पहुंचेगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की ओर से जारी सरकारी आदेश के अनुसार, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम तथा राज्य सरकार की सामाजिक कल्याण पेंशन योजनाओं के तहत आने वाले सभी पात्र लाभार्थियों को अब हर महीने 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। यह निर्णय राज्य के वित्त विभाग की मंजूरी के बाद लागू किया गया है। अगस्त माह से बढ़ी हुई पेंशन लागू होगी।

डॉ. हेडगेवार ने दिया था समानता का विचार : मुख्यमंत्री

रविंद्र भवन में हुआ डॉ. हेडगेवार के जीवन और कार्यों पर केंद्रित महानाट्य का मंचन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रवादी विचारधारा के संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने देशभक्ति के साथ समानता का दर्शन दिया था। वे भारत माता को मिलने जा रही स्वतंत्रता को कायम रखने के महत्व को पहले ही जान चुके थे, इस नाते उन्होंने राष्ट्र हित में अपनी भूमिका का निर्वाह किया। वे दूरदर्शी सोच के साथ रचनात्मक प्रकल्प संचालित करते थे। डॉ. हेडगेवार के समता के भाव को आज राष्ट्र भी अंगीकार कर रहा है। समान नागरिक संहिता लागू करने की पहल भी इस भाव को दृष्टिगत रखते हुए की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रवींद्र भवन में संस्कार भारती द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष होने के अवसर पर हुए महानाट्य युग प्रवर्तक डॉ. हेडगेवार के मंचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ईश्वर विशेष कार्य के लिए कोई निमित्त ढूंढता है। स्वामी विवेकानंद की ये भविष्यवाणी कि आने वाली सदी भारत की होगी,आज चरितार्थ हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, डॉ. हेडगेवार जी की कल्पना के भारत के निर्माण में संलग्न हैं। राष्ट्र अपने गर्व और गौरव को प्राप्त कर रहा है।भारत की पहचान एक विधान है।हमारा मूल दर्शन समानता का है। डॉ. हेडगेवार ने स्वतंत्रता के पहले चुनौती भरे दौर में राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र सर्वोपरि के भाव का प्रकटीकरण ही नहीं किया,लाखों लाख नागरिकों को राष्ट्र सेवा की प्रेरणा भी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्कार भारती को डॉ. हेडगेवार के योगदान को नाटक के माध्यम से मंचित किये जाने के लिए बधाई दी। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मध्यप्रदेश विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होने का उल्लेख करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवक संघ के पदाधिकारी श्री हेमंत मुक्तिबोध ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने राष्ट्र को वैभव की ओर ले जाने के भरसक प्रयास किए। यह नाटक उनके जीवन के समर्पण,राष्ट्र निष्ठा और कर्म आधारित जीवन के स्वरूप को सामने लाने का माध्यम है। इस अवसर पर मंच पर वरिष्ठ पदाधिकारी श्री अशोक पांडे, , फिल्म अभिनेता और रंगमंच निर्देशक श्री राजीव वर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री शशि भाई सेठ, पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, संस्कृति संचालक श्री एन.पी. नामदेव और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया गया। आभार प्रदर्शन श्री रविंद्र सहस्त्रबुद्धे ने किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नाटक के कलाकारों को उत्कृष्ट अभिनय के लिए बधाई दी। नागपुर की नादब्रम्ह संस्था द्वारा तैयार इस नाटक का निर्देशन श्री सुबोध सुरजीकर ने किया। नाटक के लेखक डॉ. अजय प्रधान हैं। संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से हुए नाटक में दक्ष कलाकारों ने प्रभावी अभिनय कर नाट्य प्रस्तुति को सफल बनाया। देश के अनेक नगरों में नाटक का मंचन हुआ है।

संसद: इस वर्ष 30 जून तक 1331 कमर्शियल पायलट लाइसेंस जारी हुए; देश में प्रदूषित नदी क्षेत्रों की संख्या घटी

नई दिल्ली/ जीएनएस। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने वर्ष 2026 में 30 जून तक कुल 1,331 कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) जारी किए हैं।

राज्यसभा में लिखित उत्तर में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि इनमें 791 कैडेट्स ने भारत के फ्लाइंग ट्रेनिंग संगठनों (एफटीओ) से, जबकि 540 कैडेट्स ने विदेशी एफटीओ से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस तरह करीब 41 प्रतिशत लाइसेंसधारी पायलटों ने विदेश में प्रशिक्षण लिया। सरकार के अनुसार, वर्ष 2025 में 1,652 और 2024 में 1,347 कमर्शियल पायलट लाइसेंस जारी किए गए थे।

वर्तमान में देश में डीजीसीए से मान्यता प्राप्त 41 फ्लाइंग ट्रेनिंग संगठन 63 प्रशिक्षण केंद्रों पर 400 से अधिक विमानों के साथ संचालित हो रहे हैं। सरकार ने बताया कि पायलट प्रशिक्षण को मजबूत बनाने के लिए एफटीओ की मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और प्रशिक्षण संबंधी नियमों में भी संशोधन किए गए हैं।

घटनाओं की रिपोर्टिंग के लिए डीजीसीए लाएगा डिजिटल प्लेटफार्म- नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) विमानन क्षेत्र में सुरक्षा निगरानी को और प्रभावी बनाने के लिए जल्द ही ईजीसीए पोर्टल पर घटना रिपोर्टिंग की डिजिटल व्यवस्था शुरू करेगा।

नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने लिखित उत्तर में बताया कि इस प्लेटफार्म के माध्यम से विमानन क्षेत्र से जुड़ी अनिवार्य घटना रिपोर्ट आनलाइन जमा और संसाधित की जा सकेगी, जिससे रिपोर्टिंग की प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनेगी।

उन्होंने बताया कि डीजीसीए की सुरक्षा निगरानी प्रणाली के तहत नियामकीय आडिट, रात्रिकालीन निगरानी, रैंप निरीक्षण, स्पाट चेक और विशेष ऑडिट नियमित रूप से किए जाते हैं।

भारत में 'Qdenga' वैक्सीन को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत सरकार ने देश में डेंगू से बचाव के लिए उपलब्ध होने वाले पहले टीके क्यूडेंगा की बिक्री को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि टाकेडा बायोफॉर्मास्युटिकल्स इंडिया के इस टीके को गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता के व्यापक वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद आम लोगों के उपयोग के लिए अनुमति दी गई है।

मंत्रालय के अनुसार, यह भारत का पहला डेंगू टीका है जिसे इस बीमारी से बचाव के लिए बाजार में उतारने की मंजूरी मिली है। इससे पहले सोमवार को टाकेडा बायोफॉर्मास्युटिकल्स इंडिया ने भी जानकारी दी थी कि देश के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने टीके के विपणन को स्वीकृति दे दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने जर्मनी की टाकेडा जीएमबीएच द्वारा विकसित और टाकेडा बायोफॉर्मास्युटिकल्स इंडिया द्वारा आयातित इस टेट्रावेलेंट डेंगू वैक्सीन को ड्रग्स एंड कास्मेटिक्स एक्ट, 1940 और ड्रग्स रूल्स, 1945 के तहत निर्धारित सभी विज्ञानी मानकों पर खरा पाए जाने के बाद मंजूरी दी है। क्यूडेंगा एक लाइव एटेन्यूएटेड टेट्रावेलेंट डेंगू वैक्सीन है, जिसे रिकांबिनेंट डीएनए तकनीक से विकसित किया गया है।

स्पीकर ओम बिरला से मिला यूएई का प्रतिनिधिमंडल, भारत-यूएई संसदीय संबंधों को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली/ जीएनएस। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अर्थव्यवस्था और पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पर लिखा, संसद भवन में संयुक्त अरब अमीरात के अर्थव्यवस्था और पर्यटन मंत्री महामहिम अब्दुल्ला बिन तौक अल मारी और प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का स्वागत करके खुशी हुई। उन्होंने आगे कहा, इस बातचीत से भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आपसी भरोसे, साझा हितों और करीबी सहयोग पर आधारित मजबूत और स्थायी साझेदारी की झलक मिली। साथ ही, इसने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव को गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

यूएई के मंत्री ने सोमवार को नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से भी मुलाकात की। भारत और यूएई के बीच दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे मजबूत व्यावसायिक साझेदारियों में से एक है।

सूरत में बिना नोटिस मकान ढहाने वाले अफसरों पर गिरेगी गाज, गुजरात हाई कोर्ट ने कहा- दोषी अधिकारियों के खर्च पर हो पुनर्वास

अहमदाबाद/ जीएनएस। गुजरात उच्च न्यायालय ने सूरत के नासीरनगर में अवैध तरीके से सौ से अधिक मकान ढहाने के मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना डेढ सौ परिवारों को सड़क पर ला दिया। न्यायालय ने पूरे मामले की समीक्षा के बाद कहा कि दोषी अधिकारियों के खर्चे से इन परिवारों का पुनर्वास किया जाना चाहिए।

सूरत के नासीरनगर में मई के अंतिम सप्ताह में सूरत महानगर पालिका के अधिकारियों ने स्थानीय बिल्डर से मिलीभगत कर उसके नवनिर्मित आवासीय फ्लैट के सामने बने झौंपड़ी व मकानों को ढहा दिया था।

उच्च न्यायालय ने 26 पीड़ित परिवारों की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि मनपा अधिकारियों ने कानूनी की पालना किए बिना डेढ सौ परिवारों को सडक पर ला दिया। न्यायालय ने यहां तक कहा कि अब इन परिवारों का पुनर्वास दोषी अधिकारियों के खर्च से होना चाहिए।

ध्यान रहे कि सूरत में मई के आखिर में जमीन सीमांकन के नाम पर नासीर नगर में करीब एक सौ मकान व झौंपडों पर बुलडोजर चलाने के मामले में महानगर पालिका आयुक्त एम नागरत्न ने कार्यकारी अभियंता समेत 5 अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए सूरत महानगर पालिका व सूरत पुलिस आयुक्त से जवाब मांगा था कि बिना नोटिस दिए मनमाने तरीके से लोगों के घर क्यों ढहाए गये।

जम्मू-कश्मीर में थम नहीं रहा वर्षा का कहर, 12 ने गंवाई जान; हिमाचल में तीन जगह फटे बादल

नई दिल्ली/ जीएनएस। जम्मू-कश्मीर में बारिश का कहर जारी हैं। पुंछ जिले में सोमवार को मकान पर भारी मलबा गिरने से सात और डोडा में बस पर चट्टान गिरने से दो लोगों सहित कुल 12 की मौत हो गई। मृतकों में पांच महिलाएं शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर में बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से दो दिन में 24 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 10 लोग अब भी लापता बताए गए हैं।

इस बीच, श्रीअमरनाथ, माता वैष्णो देवी, रियासी में शिवखोड़ी और किश्तवाड़ में सरथल यात्राएं दूसरे दिन भी स्थगित रहीं। कटड़ा में करीब 15 हजार श्रद्धालु रुके हुए हैं। पुंछ जिला में रविवार को भी वर्षा, बाढ़ व मकान ढहने से 11 लोगों की मौत हो गई थी।

वहीं श्रीअमरनाथ यात्रा के जम्मू स्थित आधार शिविर, लखनपुर के अलावा कश्मीर में बालटाल व पहलगाम में भी हजारों शिवभक्त यात्रा शुरू होने के इंतजार में हैं। सोमवार तड़के जम्मू सहित कई जिलों में तेज वर्षा से जलभराव रहा और तवी व चिनाब नदी समेत कई नाले उफान पर रहे।

इस बीच राजौरी में मनावर नदी में हेलीकॉप्टर से एक व्यक्ति का शव निकाला गया। इस बीच, डोडा जिला में भद्रवाह से जम्मू आ रही यात्री बस जब रग्गी नाले के पास पहुंची तो पहाड़ से बड़ी चट्टान उसपर आ गिरी। इस हादसे में दो लोगों की मौत और चार यात्री घायल हो गए।

हिमाचल में भारी वर्षा के रेड अलर्ट के बीच सोमवार को चंबा जिले के पांगी में तीन जगह बादल फटने से नालों में बाढ़ आ गई। यहां काम कर रहे श्रमिम फंस गए, जिन्हें ग्रामीणों ने नाले के आर-पार लोहे की सीढ़ी बिछाकर निकाला।

नीट पेपर लीक- एक घोर पाप, पीएम मोदी ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का दिया भरोसा

नई दिल्ली/ जीएनएस। नीट पेपर लीक के खिलाफ युवाओं के विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने का भरोसा दिया।

राजग सांसदों के साथ मंगल मिलन बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने नीट पेपर लीक मामले में की जा रही कड़ी कार्रवाई की जानकारी देते हुए केंद्र के साथ-साथ सभी राज्यों को एकजुट होकर लीकप्रूफ परीक्षा का ढांचा खड़ा करने की अपील की।

साथ ही उन्होंने पेपर लीक मामले में आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए अच्छे वकीलों से अदालत में पैरवी कराने की जरूरत बताई।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं- बैठक की जानकारी देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि ज्यादातर मंगलवार को होने के कारण बैठक का नाम मंगल मिलन रखा गया है।

रिजिजू के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को बताया कि पेपर लीक का मामले सामने आते ही सरकार ने तत्काल कार्रवाई की।

सीबीआइ की जांच में 13 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। साथ ही छात्रों का भविष्य को ध्यान में रखते हुए नीट की परीक्षा रद्द कर फिर से कराई गई और समय पर उसके नतीजे भी आ गए।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे पेपर लीक रोकने के लिए कई सख्त कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पेपर लीक के दोषियों को देश के शीर्ष वकीलों की मदद से कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए, ताकि इस गंभीर अपराध में शामिल लोगों के उदाहरण बन सके और ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

किरण रिजिजु के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की गई है कि कोई भी युवा के भविष्य से खिलवाड़ न करे।

इंदौर पुलिस की रैंकिंग प्रणाली में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एसीपी हीरा नगर और थाना चंदन नगर सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बेहतर पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण और जनोन्मुखी कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लागू की गई मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी सराहना की और भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा प्रत्येक माह विभिन्न मापदंडों पर एसीपी कार्यालयों और पुलिस थानों के कार्यों का मूल्यांकन किया जाता है। इस मूल्यांकन प्रणाली का उद्देश्य पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाना है।

माह जून के मूल्यांकन में सभी 12 एसीपी कार्यालयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एसीपी हीरा नगर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं शहर के सभी पुलिस थानों में थाना चंदन नगर ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए पहला स्थान हासिल किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 21 जुलाई 2026 को आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने एसीपी हीरा नगर श्रीमती रुबीना मिजवानी, थाना प्रभारी चंदन नगर श्री तिलक करोले, उप निरीक्षक साबिर मंसूरी तथा आरक्षक विनोद धाकड़ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करने से पूरी पुलिस टीम में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से जनता के प्रति संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

नीट पेपर लीक को लेकर इंदौर के भंवरकुआं चौराहे पर डेढ़ हजार छात्रों ने दिया धरना, सोनम वांगचुक का पोस्टर लेकर पहुंचे थे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में युवाओं का आक्रोश बढ़ रहा है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोमवार को हुए लाठीचार्ज का वीडियो प्रसारित होने के बाद इंदौर में भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए। भंवरकुआं चौराहे पर सोमवार शाम तक एक से डेढ़ हजार विद्यार्थी जमा हो गए। प्रदर्शनकारी सरकार के रवैए से नाराज दिखे और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे।

वांगचुक का पोस्टर लेकर पहुंचे विद्यार्थी- प्रदर्शन सुबह करीब 11 बजे टंट्या मामा भील की प्रतिमा के पास शुरू हुआ। छात्र-छात्राएं हाथों में तख्तियां, बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे।

कई पोस्टरों पर नीट परीक्षा में पारदर्शिता की मांग लिखी थी। प्रदर्शन स्थल पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तस्वीरें भी दिखाई दीं। छात्रों का कहना था कि युवाओं के भविष्य के लिए वांगचुक ने 20 दिन तक अनशन किया था, लेकिन सरकार ने गलत तरीके से उसे तुड़वाया। इसे लेकर भी युवा नाराज हैं। एमपीपीएससी परीक्षा और रिजल्ट में अनियमितता को लेकर आवाज उठाने वाले नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन (नेयू) ने भी प्रदर्शन का समर्थन किया।

जांच ठंडे बस्ते में- विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं और पेपर लीक की निष्पक्ष जांच नहीं हो रही। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से गहन जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। छात्रों का कहना था कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। नीट पेपर लीक से कई विद्यार्थियों ने जान दी, लेकिन जिम्मेदार अब भी मौन हैं। कुछ दिन चली जांच अब ठंडे बस्ते में चली गई है।

राहगीर भी जुड़े आंदोलन से- दोपहर बाद इंद्रपुरी, विष्णुपुरी, भोलाराम उस्ताद मार्ग सहित अन्य हॉस्टलों से समूह बनाकर विद्यार्थी धरना स्थल पहुंचे।

गांवों की आबादी भूमि पर मिलेगा कानूनी हक, इंदौर जिले 1.34 लाख रजिस्ट्रियां होगी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षों से आबादी भूमि पर रहने वाले ग्रामीणों को अब अपनी जमीन का कानूनी मालिकाना हक मिलने का रास्ता साफ हो गया है। प्रदेश सरकार द्वारा स्वामित्व योजना के तहत इंदौर जिले में एक लाख 34 हजार 556 आबादी भूमि के दस्तावेजों का निश्शुल्क पंजीयन कराया जाएगा। इसके लिए सरकार ने स्टांप ड्यूटी, पंजीयन शुल्क और पंचायत उपकर पूरी तरह माफ कर दिए हैं।

इंदौर जिले के 680 गांवों में से 522 गांव इस योजना में शामिल किए गए हैं। बाकी गांवों में या तो आबादी भूमि नहीं है या वहां वर्तमान में कोई निवास नहीं करता। योजना में निजी और शासकीय दोनों प्रकार की आबादी भूमि का पंजीयन होगा। बड़ी संख्या में होने वाली रजिस्ट्रियों को देखते हुए सरकार ने उपपंजीयकों के साथ तहसीलदार और नायब तहसीलदार को भी रजिस्ट्री करने का अधिकार दिए हैं।

इससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही सुविधा मिलेगी और पंजीयन प्रक्रिया तेजी से पूरी हो सकेगी। वित्त विभाग और पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी कर चुका है। गौरतलब है कि जिले में 541 गांवों में आबादी भूमि की सारी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं आठ गांवों में काम जारी है। इसमें तीन गांवों में ग्राउंड ट्रूथिंग का कार्य होना है। पांच गांवों में आरओआर की प्रक्रिया बाकी है, जबकि तीन गांवों में अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया जारी है। योजना का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि आबादी भूमि पर रहने वाले लोगों के पास उनकी संपत्ति का वैध दस्तावेज होगा। इससे वे बैंक से आवश्यकतानुसार आसानी से ऋण ले पाएंगे, मकान का निर्माण कर सकेंगे, व्यवसाय विस्तार और अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

इंदौर में बिजली कंपनी के इंजीनियर के घर लोकायुक्त पुलिस की कार्रवाई, जांच में मिली इनकम से 258% से ज्यादा की संपत्ति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर लोकायुक्त टीम ने आज बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री शिवराम सेमिल के निधीवन कॉलोनी स्थित घर पर कार्रवाई की। सेमिल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान सामने आया है कि इंजीनियर ने 33 साल की नौकरी में बहुत ज्यादा संपत्ति अवैध रूप से प्राप्त की है। करोड़ों रुपये की फैक्ट्री और घर के साथ सोने-चांदी के ज्वेलरी और कैश भी मिला है। शिवराम सेमिल और उनके परिवार के लोगों के पास बड़ी संपत्ति मिली है।

जिसमें सिलिकॉन सिटी में सी 44 स्थित तीन मंजिला घर की कीमत करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपये है। इनके बेटे शुभम सेमिल के नाम से पीथमपुर में शुभम इलेक्ट्रिकल नाम से फैक्ट्री मिली है जहां पर ट्रांसफार्मर बनाए जाते हैं। यह फैक्ट्री 880 वर्गमीटर एरिया में बनाई गई है। यह भी करीब एक करोड़ 25 लाख रुपये की है।
पीथमपुर में फैक्ट्री

शिवराम सेमिल की बहू और परिवार के सदस्यों के नाम से कर्निश पावरजोन नामक फर्म रजिस्टर्ड होना पाई है जिसकी शेयर पूंजी 50 लाख रुपये है। इसके द्वारा पीथमपुर सेक्टर 3 में प्लॉट क्रमांक 732 और 749ए क्रय किए गए हैं, जिनमें 732 प्लॉट पर पुरानी फैक्ट्री स्थापित है और 749ए पर नई फैक्ट्री का निर्माण किया जा रहा है। अनुमानित व्यय एक करोड़ रुपये किया गया है। इनके साथ ही दामाद और बेटे के नाम से उज्जैनी जिला धार स्थित औद्योगिक क्षेत्र में प्लॉट क्रमांक 184,185 पर, एसएस इलेक्ट्रिकल्स फर्म का संचालन होना पाया गया है। इसके ही नाम से प्लॉट क्रमांक 153 भी क्रय किया गया है। इन पर अनुमानित एक करोड़ 50 लाख रुपये व्यय होना पाया है।

एक और ट्रांसफार्मर की फैक्ट्री- कृष्णा पावर नामक फर्म के नाम से उज्जैनी जिला धार में 560 वर्ग मीटर का भूखंड भी लिया गया। यहां पर भी फैक्ट्री बन रही है। इसमें भी 10 लाख रुपये इनवेस्ट किए गए हैं। समधी के नाम से भी शिवराम सेमिल ने फैक्ट्री खोली है जो जांच की जा रही है। ए वन इलेक्ट्रिकल नाम से फैक्ट्री का संचालन हो रहा है। भूखंड क्रमांक 169 , उज्जैनी औद्योगिक क्षेत्र, धार में यह फैक्ट्री भी पाई गई है।

जनसुनवाई में 79 शिकायतों पर सुनवाई, पुलिस कमिश्नर ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार को पुलिस आयुक्त कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने स्वयं प्रत्येक आवेदक की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मामलों के शीघ्र एवं उचित निराकरण के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आयोजित जनसुनवाई में इस बार कुल 79 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पारिवारिक विवाद, पति-पत्नी एवं बेटा-बहू के आपसी मतभेद, पैसों के लेन-देन, मकान पर कब्जा, वेतन नहीं मिलने, ब्लैकमेलिंग, वित्तीय धोखाधड़ी, प्लॉट एवं जमीन संबंधी विवाद, महिला अपराध तथा अन्य पुलिस से जुड़े प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक की व्यथा को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कई मामलों में उन्होंने अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आवेदकों को भरोसा दिलाया कि इंदौर पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, न्याय और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मयंक अवस्थी सहित सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना और कई मामलों में तत्काल कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी।

इंदौर पुलिस ने बताया कि जनसुनवाई के साथ-साथ मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से भी पारिवारिक और आपसी विवादों का काउंसलिंग के जरिए शांतिपूर्ण समाधान कराने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे लोगों को समय पर न्याय और राहत मिल सके।

इंदौर पुलिस कमिश्नर ने 29 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित, उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार से बढ़ाया हौसला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेहतर पुलिसिंग और उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में साप्ताहिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 29 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

पलासिया स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का सम्मान अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने सभी सम्मानित पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ बेहतर पुलिसिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सम्मानित पुलिसकर्मियों में थाना राऊ के आरक्षक लोकेश को सड़क दुर्घटना प्रकरणों में ई-डीएआर प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुरस्कृत किया गया। थाना सदर बाजार के आरक्षक अनिल अहिरवार और महेश नायक को एसआईडीएस में एफआईआर फाइनल लिंक करने में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान मिला।

थाना विजय नगर की टीम को एक चर्चित प्रकरण में कंसल्टेंसी संचालक की गिरफ्तारी और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद करने पर सम्मानित किया गया। वहीं थाना खजराना की टीम को 110 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ आरोपी को गिरफ्तार करने की उल्लेखनीय कार्रवाई के लिए पुरस्कार दिया गया।

थाना चंदन नगर की पुलिस टीम को अंधे कत्ल का कुछ ही घंटों में खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए सम्मानित किया गया, जबकि थाना रावजी बाजार की टीम को अपराधियों की गिरफ्तारी में सराहनीय भूमिका निभाने पर पुरस्कृत किया गया। अपराध शाखा के आरक्षक कन्हैयालाल दांगी और रिंकू यादव को 10 ग्राम कोकीन के साथ आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सम्मानित किया गया।

इसके अलावा शहर के प्रमुख चौराहों पर बेहतर यातायात प्रबंधन और सुचारु व्यवस्था बनाए रखने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले यातायात पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को नियमित रूप से सम्मानित करने की यह पहल आगे भी जारी रहेगी, जिससे पुलिस बल का मनोबल बढ़ेगा और आम नागरिकों को बेहतर, प्रभावी एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग का लाभ मिलेगा।

नगर निगम जनसुनवाई में 48 आवेदनों पर सुनवाई, आयुक्त ने अधिकारियों को दिए तत्काल निराकरण के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 48 आवेदन प्राप्त हुए। आयुक्त श्री सिंघल ने अपने कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में निगम के सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभाग प्रमुखों की मौजूदगी में नागरिकों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य, रिमूवल, सीवरेज, जनकार्य सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें और आवेदन प्रस्तुत किए गए। आयुक्त ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को तत्काल प्रेषित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त श्री सिंघल ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें शीघ्र राहत मिल सके।

गंभीर नदी के पुनर्जीवन से किसानों के जीवन में वापस आ रही है खुशहाली

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार आयोजित हो रही साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष रखीं। कलेक्टर श्री वर्मा ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए। जनसुनवाई के माध्यम से प्रशासन निरंतर आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित कर रहा है। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

कलेक्टर श्री वर्मा का किसानों ने साफा एवं पुष्पहार पहनाकर जताया आभार- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार इंदौर जिले में गंभीर नदी को पुनर्जीवन देने का कार्य तेजी से जारी है। प्रारंभिक चरण में ही इसके सुखद परिणाम सामने आने लगे हैं। अल्प वर्षा में ही नदी में और आसपास के खेतों के कुंओं में पानी ठहरने लगा है। अपने सुखद भविष्य की शुरूआत होते देख किसानों में खुशी की लहर है। आज इस नदी से जुड़े कैलोद गाँव के किसान बड़ी संख्या में एकत्र होकर कलेक्टर कार्यालय पहुँचे और उन्होंने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में आज आयोजित जनसुनवाई में पहुँचे किसानों ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा का गंभीर नदी पुनर्जीवन परियोजना को अमली रूप देने पर साफा एवं पुष्पहार पहनाकर हृदयपूर्ण आभार व्यक्त किया। इस दौरान ग्राम कैलोद के सरपंच श्री कमल चौधरी, जनपद सदस्य महू श्री विलीन पाटीदार सहित ग्राम के कृषकगण उपस्थित रहें। उल्लेखनीय है कि गंभीर नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि मालवा अंचल की जीवनरेखा है। इसके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों तथा स्थानीय कृषकगणों की सक्रिय भागीदारी से उक्त कार्य किया जा रहा है।

दतिया उपचुनावः भाजपा के प्रचार रथ रवाना, डॉ. महेंद्र सिंह बोले– विकास और सुशासन के दम पर जीतेंगे चुनाव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने मंगलवार को दतिया स्थित भाजपा चुनाव कार्यालय से विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रचार रथों के माध्यम से भाजपा सरकार के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और सुशासन का संदेश घर-घर और गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा।

डॉ. महेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे जनता के बीच जाकर केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें तथा भाजपा की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर नई पहचान बना रहा है, वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। डबल इंजन की सरकार विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को तेजी से साकार कर रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनकल्याण, अधोसंरचना, किसान हित, महिला सशक्तिकरण और गरीब कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं, जबकि कांग्रेस के पास जनता के सामने बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में दतिया विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया और पिछले ढाई वर्षों में भी जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर सकी।

भाजपा प्रदेश प्रभारी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। पार्टी में किसी व्यक्ति की पहचान उसके परिवार या राजनीतिक विरासत से नहीं, बल्कि उसके परिश्रम और संगठन के प्रति समर्पण से होती है। उन्होंने कहा कि यही भाजपा की कार्यसंस्कृति है, जिसके कारण एक सामान्य कार्यकर्ता आशुतोष तिवारी को दतिया विधानसभा उपचुनाव का प्रत्याशी बनाया गया है। इसके विपरीत कांग्रेस की राजनीति परिवारवाद और विरासत तक सीमित रही है।

उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ चुनाव अभियान चलाएंगे तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाकर भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि दतिया की जनता विकास, सुशासन और जनसेवा की राजनीति को समर्थन देते हुए भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को भारी मतों से विजयी बनाएगी।

ग्राम मुंडलानायता में शासकीय भूमि एवं नाले से अतिक्रमण हटाया गया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में तहसील जूनी के अंतर्गत ग्राम मुंडलानायता में शासकीय भूमि एवं नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम मुंडलानायता की शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 28, रकबा 0.560 हेक्टेयर पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। उक्त कार्रवाई राजस्व विभाग, नगर निगम एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर टीन शेड, बाउंड्री वॉल तथा अन्य अवैध निर्माणों को हटाते हुए शासकीय भूमि एवं नाले पर किए गए अतिक्रमण को मुक्त कराया। बताया गया कि शासकीय भूमि एवं सार्वजनिक उपयोग की परिसंपत्तियों पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा इस प्रकार के मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, किला भवन, इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन में, कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सुधीर कुमार छारी के निर्देशन में 21 जुलाई को नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में पुलिस विभाग की ओर से डी.एस.पी श्रीमती आशा सेजकर, निरीक्षक श्री शहनाज बानो, उप निरीक्षक श्री आशीष शर्मा सहित लगभग 20 पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने छात्राओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

जन जन की सेहत का रखा ध्यान सिंगोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अब हो गया सिविल अस्पताल

सिंगोली की जनता ने जताया विधायक एवं पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सखलेचा का आभार, स्वास्थ्य केंद्र बना 50 बेड का सिविल अस्पताल

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक और पूर्व मंत्री श्री ओम प्रकाश सखलेचा के अथक प्रयासों से जावद विधानसभा को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली है। शासन द्वारा स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नत कर 50 बिस्तरीय सर्वसुविधायुक्त सिविल अस्पताल बनाने की मंजूरी दे दी गई है।

इस ऐतिहासिक निर्णय पर हर्ष व्यक्त करते हुए सिंगोली क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और आम जनता ने विधायक ओपी सखलेचा का आभार व्यक्त किया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्वास्थ्य ढांचे में हुए इस सुधार से अब क्षेत्र के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को इलाज के लिए नीमच या जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। 50 बेड की क्षमता होने से अस्पताल में डॉक्टरों, आधुनिक उपकरणों और दवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी। क्षेत्र की जनता ने विधायक सखलेचा जी के इस जनहितैषी प्रयास की सराहना करते हुए इसे सिंगोली क्षेत्र के विकास में एक मील का पत्थर बताया है।

इस उन्नयन से मिलने वाली प्रमुख सुविधाए।

बिस्तरों की क्षमता-30 से बढ़कर 50 हो गयी।

विशेषज्ञों की सेवाएं- सामान्य चिकित्सा के साथ साथ स्त्री रोग, शिशु रोग, सर्जरी ओर आपातकालीन सेवाए 24 घण्टे मिलेगी।

आधुनिक उपकरण - ऑपरेशन थियेटर, डिजिटल एक्सरे, सोनोग्राफी ओर आधुनिक पैथोलॉजी लेब की सुविधा।

स्टाफ की नियुक्ति- चिकित्सा सेवाओ के सुचारू संचालन के लिये अतिरिक्त विशेषज्ञ डॉक्टर , सर्जन , नर्स ओर पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती की जाएगी।

इन सुधारो से गम्भीर मरीजो को बड़े शहरों के जिला अस्पतालों में भागने की मजबूरी खत्म होगी ओर स्थानीयस्तर ही उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्राप्त होगी।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई

शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर मार्ग कराया गया सुगम, शिकायत का हुआ निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की दिशा में कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में जनसुनवाई के दौरान प्राप्त एक शिकायत पर राजस्व विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि पर किए गए कब्जे को पूर्णतः हटवा दिया गया।

शिकायतकर्ता द्वारा आवेदन में नीमच सिटी स्थित माधवगंज मोहल्ले में शासकीय मंदिर एवं चरागाह की भूमि पर अतिक्रमण कर खेत तक आने-जाने का मार्ग अवरुद्ध किए जाने की शिकायत की गई थी। शिकायत प्राप्त होते ही राजस्व अमले द्वारा मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान शासकीय भूमि से अतिक्रमण पूरी तरह हटाकर भूमि को समतल कराया गया, जिससे शिकायतकर्ता सहित आमजन के आवागमन का मार्ग पुनः सुगम हो गया।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, ताकि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके।

रोजगार मेले में 345 युवाओं ने कराया पंजीयन, 185 का हुआ चयन

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्रालय, भोपाल, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भोपाल एवं रोजगार संचालनालय, भोपाल द्वारा जारी आदेशानुसार जिला प्रशासन, कौशल विकास और रोजगार विभाग एवं जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, मध्य प्रदेश डे ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, सज्जन मिल के सामने, सैलाना रोड, रतलाम में युवा संगम अंतर्गत संयुक्त रूप से रोजगार, स्वरोजगार, प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना एवं मुख्यमंत्री सीखों कमाओं योजनांतर्गत मेलें का अयोजन किया गया, जिसमे भाग लेने वाली कुल 10 कंपनियों द्वारा निर्धारित मापदंड एवं इंटरव्यू के उपरांत कुल 185 प्रतिभागियों का प्राथमिक रूप से चयन किया गया।

जिला रोजगार अधिकारी श्री अभिषेक कटारा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रतलाम के प्रशिक्षण अधीक्षक श्री एच. के. बाथम द्वारा आफर लेटर प्रदान कर उपस्थित युवक युवतियों को आत्म निर्भर होने के लिए उनका मनोबल बढ़ाया। चयन करने वाली कंपनियों में से रतलाम स्थित प्रतिष्ठान कार्पोरेट देखो वेन्चर लि. द्वारा-5, अंकलेसरिया ऑटोमोबाइल्स द्वारा-2, भारती एक्सा लाईफ द्वारा-5, तथा रतलाम से बाहर स्थित प्रतिष्ठान में से प्रतिभा स्वराज लि., उज्जैन द्वारा 30, जस्ट डॉयल इन्दौर द्वारा 34, कृषि दर्पण एग्रो प्रा. लि. उज्जैन द्वारा-36, माही ग्रूप ऑफ एजुकेशन आदी।

लोकसभा में सांसद सुधीर गुप्ता ने उठाया औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के उन्नयन और पीएम-सेतु योजना का मुद्दा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर-नीमच-जावरा संसदीय क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय से देशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के विस्तार, उन्नयन एवं आधुनिकीकरण तथा पीएम-सेतु योजना के क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया। प्रश्न के जवाब में मंत्रालय ने बताया कि युवाओं को आधुनिक औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल बनाने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से देशभर में आईटीआई के सुदृढ़ीकरण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। सरकार लगातार आईटीआई की संख्या और प्रशिक्षण क्षमता में वृद्धि कर रही है, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

मंत्रालय ने बताया कि पीएम-सेतु योजना के तहत हब-एंड-स्पोक मॉडल अपनाकर आईटीआई की आधारभूत संरचना और प्रशिक्षण व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है। इस मॉडल से संस्थानों के बीच संसाधनों का बेहतर उपयोग और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित किया जा रहा है। उत्तर में यह भी जानकारी दी गई कि बदलती औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर तथा ग्रीन एनर्जी जैसे उभरते क्षेत्रों से जुड़े नए पाठ्यक्रम आईटीआई में शुरू किए जा रहे हैं, ताकि युवाओं को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार किया जा सके। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि विनिर्माण, खनन तथा अन्य उभरते औद्योगिक क्षेत्रों की मांग के अनुसार युवाओं को %फ्यूचर-रेडी% व्यवसायों में प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक बजटीय प्रावधान एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि देश के युवाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुख कौशल प्रदान करना विकसित भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईटीआई के आधुनिकीकरण और पीएम-सेतु योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा देश की औद्योगिक प्रगति को नई गति प्राप्त होगी।

समय-सीमा समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सीईओ सख्त

लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और मैदानी सत्यापन के दिए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रक (टीएल) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, अनुकंपा नियुक्ति सहित विभिन्न प्रशासनिक विषयों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में श्री वैष्णव ने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का संवेदनशीलता एवं सहानुभूतिपूर्वक परीक्षण कर उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पात्र हितग्राही का प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने सभी विभागों को शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय रैंकिंग में सुधार लाने, 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने तथा अत्यधिक लंबित प्रकरण वाले विभागों को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में उन्होंने श्रम पदाधिकारी को प्लास्टिक फैक्ट्री में हुए हादसे की विस्तृत जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने तथा घायल श्रमिक से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उसकी स्थिति की जानकारी लेने के निर्देश दिए। वहीं मुख्य नगरपालिका अधिकारी को शहर में अतिक्रमण के विरुद्ध निरंतर और प्रभावी अभियान चलाने के लिए कहा।

राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए श्री वैष्णव ने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि निराकृत रास्ता विवाद, अतिक्रमण हटाने तथा अन्य राजस्व मामलों का मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर नियमित निरीक्षण और सत्यापन से शासन की कार्यवाही अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनेगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश, एसडीएम नीमच श्री पराग जैन, एसडीएम जावद श्री संजीव साहू, एसडीएम मनासा सुश्री किरण आंजना, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिंह धार्वे, सुश्री श्रुति भयडिया सहित जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा जिला कार्यकारिणी में कांग्रेस छोड़कर आए नेताओं की उपेक्षा

कांग्रेस में जिलाध्यक्ष तय करने वाले कांग्रेस के 'किंगमेकर' अब भाजपा में आम कार्यकर्ता की कतार में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा की नई जिला कार्यकारिणी ने एक बार फिर यह संदेश दे दिया है कि पार्टी में वर्षों से काम कर रहे कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता मिलेगी, जबकि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं को फिलहाल संगठन में सीमित महत्व ही दिया गया है। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद सबसे अधिक चर्चा उन नेताओं को लेकर है, जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे, लेकिन उन्हें संगठन में अपेक्षित महत्व नहीं मिला।

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, संभाग प्रभारी सुरेश आर्य एवं जिला प्रभारी सुभाष पटेल की सहमति से जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल ने जिला कार्यसमिति, विशेष आमंत्रित एवं स्थायी आमंत्रित सदस्यों की घोषणा की। सूची सामने आते ही सबसे अधिक चर्चा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं की संगठनात्मक हैसियत को लेकर शुरू हो गई।

स्थायी आमंत्रित सदस्यों की 12 सदस्यीय सूची में केवल मनासा के पूर्व विधायक विजेंद्रसिंह मालाहेड़ा को स्थान मिला। वहीं विशेष आमंत्रित 18 सदस्यों में रघुराजसिंह चौड़िया, सुरेंद्र सेठी और उमरावसिंह गुर्जर को शामिल किया गया। जिला कार्यसमिति के 75 सदस्यों में समीप चौधरी, सामंतसिंह चौहान और नरेंद्र पोराणिक को सदस्य बनाया गया।

राजनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि कांग्रेस में जिन नेताओं की गिनती जिलाध्यक्ष बनवाने और संगठन की दिशा तय करने वाले प्रभावशाली चेहरों में होती थी, वे भाजपा में केवल विशेष आमंत्रित सदस्य या साधारण कार्यसमिति सदस्य तक सीमित रह गए हैं। जिन नेताओं के इशारों पर कभी कांग्रेस की जिला राजनीति चलती थी, वे अब भाजपा संगठन में सामान्य कार्यकर्ताओं की श्रेणी के समान स्थान पर दिखाई दे रहे हैं। यानी कांग्रेस में संगठन की कमान संभालने वाले नेता भाजपा में फिलहाल आम कार्यकर्ताओं जैसी पंक्ति में खड़े नजर आ रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने इस कार्यकारिणी के जरिए स्पष्ट संकेत दिया है कि संगठन में प्राथमिकता पुराने और लंबे समय से काम कर रहे कार्यकर्ताओं को दी जाएगी। कांग्रेस से आए नेताओं को सम्मान तो मिला है, लेकिन संगठन की कमान या प्रभावशाली जिम्मेदारी नहीं। कई ऐसे नेताओं को कार्यसमिति में स्थान देकर औपचारिक सम्मान जरूर दिया गया है, जो कांग्रेस में लंबे समय से हाशिए पर थे, लेकिन भाजपा में भी उन्हें निर्णायक भूमिका नहीं मिली।

चर्चा यह भी है कि भाजपा ने साफ संकेत दिया है कि दल बदलकर आने मात्र से संगठन में बड़ा पद नहीं मिलता। संगठन में वर्षों से मेहनत कर रहे कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी और नए आए नेताओं को अपनी जगह बनाने के लिए अभी लंबा इंतजार और मेहनत करनी होगी। राजनीतिक जानकार इसे भाजपा का स्पष्ट संदेश मान रहे हैं कि पार्टी में पहचान पुराने काम और संगठनात्मक योगदान से बनेगी, केवल राजनीतिक वजन या पिछले दल की हैसियत से नहीं।

शहर में खुलेआम घूम रहे गाय व सांड के साथ-साथ श्वान पर समय रहते कार्रवाई बेहद जरूरी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अभिभाषक एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने कलेक्टर मंदसौर व मुख्य नगर पालिका अधिकारी से मांग की है कि समय रहते शहर में बेलगाम घूम रहे गए गाय, सांड तथा बड़ी संख्या में गली गली में घूम रहे स्वान को पकड़ने की कार्रवाई की जाए अन्यथा कोई बड़ा हादसा या दुर्घटना घटित हो सकती है। डॉ. तोमर ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से सिंधी धर्मशाला चक्रवती कॉलोनी का जो वीडियो देखने में आ रहा है उसमें दो बच्चे और एक महिला दो सांड की लड़ाई के हमले में बाल बाल बचे। दो सांड लड़ते हुए इस तरीके से आ रहे थे जिसमें कोई अनहोनी घटना भी हो सकती थी। डॉ. तोमर ने बताया कि इसी तरीके से मंदसौर शहर में बड़ी संख्या में गाय,सांड तथा स्वान गली गली प्रत्येक कॉलोनी में दिन भर घूम रहे हैं जहां पर बच्चे बुजुर्ग अन्य राहगीर की जान को खतरा बना हुआ है। डॉ. तोमर ने मांग की है कि तत्काल इस मामले में ठोस कार्रवाई की जाना जनहित में बेहद जरूरी है अन्यथा कोई बड़ी दुर्घटना या हादसा शहर में घटित हो सकता है।

4 किलो अफीम के साथ राजस्थान का तस्कर गिरफ्तार, महाराष्ट्र सप्लाई ले जाते समय दबोचा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नाकाबंदी कर राजस्थान के एक तस्कर को 4 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मोटरसाइकिल से अफीम लेकर महाराष्ट्र की ओर जा रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से अफीम के अलावा तस्करी में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर एनएक्सजी मोटरसाइकिल भी जब्त की है। जब्त मादक पदार्थ एवं वाहन की कुल अनुमानित कीमत 6.50 लाख रुपये आंकी गई है। थाना प्रभारी नाहरगढ़ निरीक्षक वरुण तिवारी ने बताया 20 जुलाई की तड़के थाना नाहरगढ़ में पदस्थ उप निरीक्षक दशरथ कुमार माली को मुखबिर से सूचना मिली कि करीब 30-32 वर्ष का एक व्यक्ति काले रंग की हीरो स्प्लेंडर एनएक्सजी (क्रमांक ऋ्छ 09 स॥ 1996) से मल्हारगढ़, बूढ़ा, नापाखेड़ा और नाहरगढ़ होते हुए अवैध अफीम लेकर सुवासरा मार्ग से महाराष्ट्र की ओर जाने वाला है। सूचना मिलते ही डीगांव-बसई रोड स्थित बेटीखेड़ी फंटे के समीप बालाजी मंदिर के सामने नाकाबंदी की। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिये के अनुसार एक मोटरसाइकिल सवार युवक वहां पहुंचा। पुलिस टीम ने चारों ओर से घेराबंदी कर उसे रोक लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम शांतिलाल पिता शंकरलाल जाट (32 वर्ष) निवासी ग्राम चतरा का खेड़ा, पोस्ट पोटल कलां, थाना मंडफिया, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) बताया। आरोपी की पीठ पर टंगे काले रंग के बैग की तलाशी के दौरान अफीम मिली जो वजन करने पर 4 किलोग्राम निकली। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर एनएक्सजी मोटरसाइकिल को भी कब्जे में ले लिया । अफीम की अनुमानित कीमत 6 लाख रुपये है, तथा लगभग 50 हजार रुपये कीमत की मोटरसाइकिल जब्त की। आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन एवं नगदी भी मिली। नाहरगढ़ थाने में आरोपी के विरुद्ध धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि अफीम किससे खरीदी गई थी, इसे महाराष्ट्र में किसे पहुंचाया जाना था तथा इस तस्करी गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि पूछताछ से मादक पदार्थ तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

गांव के इकलौते खेल मैदान पर कब्जे का आरोप, 45 साल पुराने पट्टों की जांच की मांग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम लेवड़ा में वर्षों से सार्वजनिक उपयोग में आ रही भूमि को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर गांव के एकमात्र खेल मैदान और सामाजिक आयोजनों के लिए उपयोग होने वाली भूमि पर कब्जे के प्रयास का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने करीब 45 साल पुराने पट्टों की जांच कर उन्हें निरस्त करने और भूमि को पुनः शासकीय रिकॉर्ड में दर्ज कर सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित करने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस भूमि को लेकर विवाद सामने आया है, वह लंबे समय से गांव के बच्चों के लिए खेल मैदान के रूप में उपयोग होती रही है। यहां फुटबॉल, क्रिकेट सहित विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित होती हैं। इसके अलावा विवाह, मौसर और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए भी यही स्थान गांव का प्रमुख केंद्र रहा है।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने दावा किया कि वर्ष 1981 में बीस सूत्रीय कार्यक्रम के तहत कुछ लोगों को शासकीय भूमि के पट्टे दिए गए थे, लेकिन शिकायत के बाद तत्कालीन कलेक्टर मंदसौर ने मौके का निरीक्षण कर संबंधित पट्टों को निरस्त कर दिया था। ग्रामीणों के अनुसार उस समय भूमि को कृषि योग्य नहीं मानते हुए रहवासी उपयोग के लिए दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे।

ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 1989-90 के बंदोबस्त के दौरान इसी भूमि का नया खसरा क्रमांक 241 बनाकर कुछ लोगों के नाम निजी खातेदारी दर्ज कर दी गई। उनका कहना है कि यह प्रक्रिया संदिग्ध परिस्थितियों में हुई और आज भी मौके पर भूमि का उपयोग सार्वजनिक रूप से किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों द्वारा भूमि पर कब्जा जमाने और मैदान को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है, जिससे गांव में असंतोष का माहौल है। उनका कहना है कि यदि खेल मैदान खत्म हो गया तो बच्चों और युवाओं के पास खेल गतिविधियों के लिए कोई वैकल्पिक स्थान नहीं बचेगा।

ज्ञापन में कलेक्टर से मांग की गई है कि पुराने राजस्व रिकॉर्ड, बंदोबस्त दस्तावेज और पट्टों की वैधता की जांच कराई जाए। यदि भूमि पर निजी नाम नियम विरुद्ध दर्ज पाए जाते हैं तो उन्हें निरस्त कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए।

ग्रामीणों ने प्रशासन को यह भी अवगत कराया है कि मामले का समय रहते समाधान नहीं हुआ तो गांव में विवाद और तनाव की स्थिति बन सकती है। अब इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की कार्रवाई पर ग्रामीणों की निगाहें टिकी हुई हैं।

शासकीय आईटीआई रतलाम में 285 सीटें रिक्त

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला रोजगार अधिकारी श्री अभिषेक कटारा ने बताया कि मध्यप्रदेश की समस्त शासकीय/निजी आईटीआई में सत्र 2026 के लिये प्रवेश की कार्यवाही 26 मई 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रतलाम को प्रवेश के लिए कुल 484 सीट आवंटित है, जिनमें से प्रवेश प्रक्रिया के प्रथम एवं द्वितीय चरण में कुल 199 आवेदकों ने प्रवेश ले लिया है, वर्तमान में 285 सीट प्रवेश हेतु रिक्त हैं। इन सीटों पर इच्छुक अभ्यर्थी 19 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक पंजीयन व पंजीयन में त्रुटि सुधार तथा चॉइस फीलिंग व चॉइस फीलिंग में त्रुटि सुधार कर सकते है। 26 जुलाई 2026 को कॉमन रैंक आवेदन के लॉगिन पर प्रदर्शित की जावेगी।

नगरपालिका को हस्तांतरित होने के बाद भी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे 5 कॉलोनियों के रहवासी

जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन देकर पेयजल, सफाई और ओवरब्रिज की विसंगतियों को दूर करने की उठाई मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की हस्तांतरित (अप्रूव्ड) कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं के अभाव और संजीत रोड रेलवे ओवरब्रिज के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं को लेकर रहवासियों को कलेक्टर से गुहार लगानी पड़ी। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान नवकार गोल्ड, नवकार सिल्वर, नवकार टाउनशिप, पंचवटी एवं मनमोहन विहार कॉलोनियों के बड़ी संख्या में निवासियों ने कलेक्टर अदिती गर्ग से मुलाकात कर अपनी मांगों का एक ज्ञापन सौंपा।

रहवासियों ने बताया कि ये सभी कॉलोनियां पूर्ण रूप से स्वीकृत हैं और नियमानुसार नगरपालिका मंदसौर को हस्तांतरित भी की जा चुकी हैं। लगभग 1,000 से अधिक परिवारों की मौजूदगी के बावजूद ये क्षेत्र प्राथमिक सुविधाओं से वंचित हैं। नियमित नगर पालिका टैक्स भरने के बाद भी कॉलोनियों में फिल्टर प्लांट का शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जबकि आसपास के निकटवर्ती क्षेत्रों में नियमित जल आपूर्ति हो रही है। इसके अतिरिक्त, कॉलोनियों में नियमित साफ-सफाई न होने से गंदगी और संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ज्ञापन में संजीत रोड रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में रही गंभीर विसंगतियों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। रहवासियों ने बताया कि सर्विस रोड के बिल्कुल बीचों-बीच बिजली के खंभे लगे होने के कारण स्कूल बस, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसे आवश्यक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो रही है। साथ ही कॉलोनियों के मुख्य प्रवेश मार्ग के पास ही विद्युत डीपी स्थापित होने से किसी बड़ी दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। रहवासियों ने पेयजल आपूर्ति बहाल करने, सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और विद्युत पोल एवं डीपी को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है।

इस अवसर पर क्षेत्रवासी रविंद्र पाण्डेय, चंद्रशेखर द्विवेदी, रविंद्र शर्मा, बंसीलाल सेठिया, रघुवीर सिंह पवार, जिनेंद्र राठौर, पीयूष जैन, संदीप डांगी, रवि पाटीदार, वैभव जैन, माधव बेरवा, सुनील सेन, नरेंद्र परमार, दिनेश गुप्ता, सुरेंद्र सिंह, राजेश सिंघवी, राजेश पामेचा, वैभव जैन, शुभम जैन, भूषण निरखे, काना गर्ग, वल्लभ जैन, गोपाल बैरागी, हीरालाल पवार, राजेश पवार, अरुण जैन, नवीन ग्वाला, रमेश देवड़ा, घनश्याम पाटीदार, जीतू गोस्वामी, बाबूलाल गुर्जर, पंकज डांगी, मिथुन राठौर, मुरलीधर परवानी, परमानंद प्रजापत, राजेश सोनी ऐरावाला, संदीप सेठिया, दिलीप काबरा, श्याम गर्ग और नरेश चौरडिया सहित सभी पांचों कॉलोनियों के अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 117 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 117 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव,अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में धोकलखेड़ा के कवरलाल ने शॉर्ट सर्किट से आग लगने के कारण फसल नुकसान का मुआवजा दिलाने, नयागांव के सत्तू धाकड़ ने गौचर भूमि एवं नाले पर हुए अतिक्रमण को हटवाने, हरकियाखाल के गजेंद्र कुमार ने निजी भूमि पर जबरन रास्ता निकालने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा दुधलाई की रुकमणबाई ने अपनी भूमि पर कब्जा एवं विवाद उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया।

सम्पादकीय

वैश्विक युद्ध की प्रबल संभावना, शांति की बात अब कोरी कल्पना

अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल की हठधर्मिता ईरान के प्रमुख की हत्या का बदला लेने की सनक ने वैश्विक शांति को तार तार कर दिया है। अब वैश्विक शांति तथा शांति वार्ता की बातों को परी कल्पना ही मानकर चलिए, शांति की बात अब दूर की कौड़ी होती दिखाई दे रही है। सभ्यता ने विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, किंतु विडंबना यह है कि इसी सभ्यता का नेतृत्व करने वाले अनेक विश्व नेता आज भी युद्ध, हथियारों की होड़ और शक्ति प्रदर्शन की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। आधुनिक विश्व का सबसे बड़ा संकट केवल आर्थिक असमानता या पर्यावरणीय विनाश नहीं, बल्कि वह मानसिक अस्थिरता और वैचारिक भ्रम है जिसने वैश्विक नेतृत्व को असंवेदनहीन बना दिया है। शांति की भाषा आज उन्हें कमजोरी की भाषा प्रतीत होती है, जबकि इतिहास गवाह है कि स्थायी विकास केवल शांति और सहअस्तित्व से ही संभव हुआ है।

आज दुनिया के कई शक्तिशाली राष्ट्र युद्ध की आग में झुलस रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियाँ और आतंकवाद की बढ़ती घटनाएँ यह प्रमाणित करती हैं कि विश्व नेतृत्व संवाद के स्थान पर टकराव को प्राथमिकता दे रहा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो मानवता की करुणा पर सत्ता की महत्वाकांक्षा भारी पड़ गई हो।

महात्मा गांधी ने कहा था आँख के बदले आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी। गांधीजी का यह कथन आज पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। विश्व के बड़े नेता प्रतिशोध और प्रभुत्व की राजनीति में इतने उलझ चुके हैं कि उन्हें युद्ध के पीछे रोती मानवता दिखाई नहीं देती। लाखों निर्दोष नागरिक विस्थापित हो रहे हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं,अर्थव्यवस्थाएँ बिखर रही हैं, किंतु हथियार उद्योग और सामरिक राजनीति लगातार फल-फूल रही है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने कहा था हमें युद्ध को मानवता के भविष्य से बाहर करना होगा। दुर्भाग्य यह है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएँ भी आज महाशक्तियों के राजनीतिक दबाव से पूर्णतः स्वतंत्र नहीं रह पाई हैं। वीटो शक्ति रखने वाले देश अक्सर अपने हितों के अनुसार वैश्विक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। परिणामस्वरूप शांति वार्ताएँ केवल औपचारिकता बनकर रह जाती हैं।

विश्व के बड़े नेताओं की मानसिकता में एक गहरा भय भी दिखाई देता है–सत्ता खोने का भय, वर्चस्व समाप्त होने का भय और दूसरे राष्ट्र के अधिक शक्तिशाली हो जाने का भय। यही भय उन्हें शांति की जगह युद्ध की तैयारी की ओर धकेलता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी ने अपने एक ऐतिहासिक भाषण में कहा था

मानव जाति को युद्ध समाप्त करना होगा, अन्यथा युद्ध मानव जाति को समाप्त कर देगा। केनेडी की यह चेतावनी आज परमाणु हथियारों से लैस दुनिया के लिए किसी भविष्यवाणी से कम नहीं लगती।

वर्तमान वैश्विक राजनीति में सबसे चिंताजनक बात यह है कि नेताओं की भाषा से संवेदनशीलता कम होती जा रही है। राजनीतिक मंचों पर संवाद के स्थान पर कटुता और धमकियों का प्रयोग बढ़ गया है। सोशल मीडिया और प्रचार तंत्र ने भी आक्रामक राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया है। जनता को भावनात्मक रूप से उकसाकर युद्ध समर्थक वातावरण तैयार किया जाता है। राष्ट्रहित के नाम पर हिंसा को उचित ठहराया जाने लगा है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील सिद्धांत प्रस्तुत करते हुए कहा था कि विश्व शांति सहअस्तित्व और पारस्परिक सम्मान से ही संभव है। उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से यह संदेश दिया कि शक्ति संतुलन युद्ध से नहीं बल्कि संवाद से कायम रखा जा सकता है। किंतु आज विश्व राजनीति में संवाद की जगह आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य गठबंधन और हथियारों का प्रदर्शन अधिक दिखाई देता है।

दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था–

यदि आप अपने शत्रु के साथ शांति चाहते हैं तो आपको उसके साथ काम करना होगा। यह कथन बताता है कि शांति केवल समझौतों से नहीं बल्कि मानसिक परिवर्तन से आती है। दुर्भाग्यवश वर्तमान विश्व नेतृत्व में यह मानसिक परिपक्वता कम दिखाई देती है। नेताओं के निर्णय अक्सर अहंकार, राजनीतिक लाभ और चुनावी रणनीतियों से प्रभावित होते हैं। मानवता पीछे छूट जाती है।

धार्मिक और सांस्कृतिक संघर्षों को भी कई बार राजनीतिक नेतृत्व अपने हित में उपयोग करता है। इससे समाजों में अविश्वास और घृणा बढ़ती है। दुनिया का सामान्य नागरिक शांति चाहता है, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठे लोग संघर्ष से लाभ अर्जित करते हैं। हथियार कंपनियों का बढ़ता प्रभाव भी विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। युद्ध जितना लंबा चलता है, हथियार उद्योग उतना अधिक लाभ कमाता है। ऐसे में शांति प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं।

मनुष्य का पहला धर्म – स्वयं के प्रति ईमानदार होना

दिन का कोलाहल सत्य को दबा सकता है, पर रात का सन्नाटा उसे जगा देता है। जब सारी आवाज़ें थम जाती हैं, तब मनुष्य अपनी ही अंतरात्मा के न्यायालय में खड़ा होता है, जहाँ न बहाने चलते हैं, न मुखौटे टिकते हैं। दिनभर तर्क और धर्म की ओट लेने वाला मन अंततः एक ही प्रश्न से घिरता है–आज तुमने सच में कितना जिया और कितना खो दिया? विडंबना यह है कि इसी आत्म-पड़ताल से बचने के लिए हम कहते हैं–भगवान सब देख रहा है। यदि इस पर सच्चा विश्वास होता, तो विचार, कर्म और व्यवहार की छोटी-छोटी बेईमानियाँ स्वयं समाप्त हो जातीं। क्योंकि सबसे बड़ी चोरी किसी और की नहीं, अपने ही जीवन की होती है। हम अपने वर्तमान, अपनी सच्चाई, अपनी मुस्कान और अपने अस्तित्व को ही धीरे-धीरे लूटते रहते हैं, फिर भी स्वयं को निर्दोष मानते हैं।

ईश्वर का नाम अक्सर वहीं सबसे अधिक लिया जाता है, जहाँ विश्वास कम और भय अधिक होता है। जब कोई कहता है–भगवान सब देख रहा है, तो उसके शब्दों से अधिक उसका डर बोलता है। हमने परमात्मा को प्रेम का स्रोत नहीं, अपराध पकड़ने वाला प्रहरी बना दिया है। जबकि प्रेम पहरा नहीं देता और करुणा भय नहीं जगाती। भय अभिनय सिखाता है, चरित्र नहीं; इसलिए बाहर धर्म दिखता है और भीतर छल पलता है। सच तो यह है कि परमात्मा कोई दंडाधिकारी नहीं, बल्कि हृदय का मौन साक्षी है, जहाँ दंड नहीं, केवल करुणा है। हम उसकी पुकार सुनने के बजाय भय जगाने वाले धार्मिक वाक्यों में उलझे रहते हैं।

जीवन की सबसे बड़ी बेईमानियाँ अक्सर इतनी साधारण होती हैं कि हम उन्हें अपराध ही नहीं मानते। हर सुबह हम अपना वर्तमान भविष्य की चिंताओं और बीते कल की परछाइयों में गिरवी रख देते हैं। किसी का मन दुखाकर उसे मज़ाक कह देते हैं, वचन भूल जाते हैं, परिवर्तन टालते हैं, भय से अपनी प्रतिभा दबा देते हैं और संबंधों में अधूरे रह जाते हैं। दिन तो बीत जाता है, पर रात की निस्तब्धता में भीतर की चेतना एक ही प्रश्न करती है–तुमने दूसरों के साथ नहीं, अपने ही जीवन के साथ क्या किया? यही वह प्रश्न है, जिसके सामने हर तर्क, बहाना और मुखौटा ढह जाता है।

एक प्राचीन प्रसंग है। वन में भटका एक बालक अँधेरा घिरते ही भयभीत हो गया। उसने एक फकीर से पूछा–क्या भगवान मुझे देख रहे हैं फकीर ने उसका हाथ उसके हृदय पर रखकर कहा– सबसे निकट की दृष्टि यहीं जाग रही है। उसी क्षण उसका भय शांत हो गया, क्योंकि उसे समझ आ गया कि संरक्षण बाहर नहीं, भीतर है। हम भी जीवनभर मंदिरों, नियमों और बाहरी सहारों में सुरक्षा खोजते रहते हैं, जबकि परमात्मा का सबसे पवित्र देवालय हमारे अंतर्मन में ही प्रकाशित है। जिस दिन मनुष्य भीतर के उस मौन साक्षी से परिचित हो जाता है, उसी दिन उसकी बेईमानियाँ स्वतः मिटने लगती हैं; क्योंकि तब उसे डराने वाला कोई बाहरी देवता नहीं, जगाने वाला अपना विवेक होता है।

मनुष्य की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह अपना ही जीवन खोकर भी स्वयं को धर्ममार्गी मानता रहता है। वह वर्तमान, माता-पिता का समय, बच्चों का बचपन, मित्रों का विश्वास और संबंधों की आत्मीयता गँवा देता है। भय से अपनी प्रतिभा पर ताला लगाकर फिर निश्चिंत हो कहता है–भगवान सब देख रहा है, वह क्षमा कर देगा। किंतु परमात्मा क्षमा से अधिक जागृति चाहता है। जहाँ चेतना जागती है, वहाँ भूलें स्वयं मिटने लगती हैं। जिस क्षण मनुष्य अपने हर विचार, शब्द और कर्म में भीतर के मौन साक्षी का अनुभव कर लेता है, उसी क्षण जीवन बदल जाता है–कर्म पूजा बन जाता है, वाणी प्रार्थना और मौन आत्मबोध।

यहीं से जीवन की वास्तविक यात्रा आरंभ होती है। भय प्रेम में, बंधन स्वतंत्रता में और स्वार्थ उत्तरदायित्व में बदल जाता है। तब मनुष्य दूसरों पर अधिकार नहीं, अपने समय, संबंधों, चेतना और जीवन का सजग संरक्षक बनता है। भगवान सब देख रहा है तब डराने वाला वाक्य नहीं, स्वयं को जगाने वाला मंत्र बन जाता है। जो लोग इस सत्य को जी लेते हैं, उनके शब्द भय या अपराधबोध नहीं, बल्कि विश्वास और आत्मबोध जगाते हैं। क्योंकि तब अनुभव होता है कि देखने वाला और देखा जाने वाला अलग नहीं, एक ही चेतना के दो प्रतिबिंब हैं।

जब भी सुनें–भगवान सब देख रहा है, तो उसे दूसरों के लिए नहीं, अपने लिए सुनिए। एक क्षण ठहरकर स्वयं से पूछिए–क्या मैं अपने समय, अपने सत्य, अपने संबंधों और अपने वर्तमान के साथ न्याय कर रहा हूँ, या स्वयं को ही छल रहा हूँ? इन प्रश्नों से मत बचिए, क्योंकि परिवर्तन का द्वार यहीं खुलता है। जो अपनी भीतरी चोरियों को पहचान लेता है, उसे उन्हें छोड़ने में देर नहीं लगती। तब जीवन का भार हल्का हो जाता है, हर कर्म साधना, हर संबंध उपहार और हर साँस कृतज्ञता की प्रार्थना बन जाती है।

संपूर्ण आध्यात्मिक यात्रा अंततः एक ही सत्य पर आकर ठहरती है–परमात्मा की दृष्टि दंड की नहीं, करुणा की होती है। वह हमारी भूलों का हिसाब रखने नहीं, भीतर सोई चेतना को जगाने आती है। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि भगवान हमें देख रहा है या नहीं; प्रश्न यह है कि क्या हम स्वयं को देख पा रहे हैं? जिस दिन यह अंतर्दृष्टि जाग जाती है, उसी दिन छल, पाखंड और दिखावा स्वतः समाप्त होने लगते हैं। तब भय समर्पण में, अशांति शांति में और भ्रम सत्य में विलीन हो जाता है। उसी क्षण मनुष्य पहली बार अपने वास्तविक स्वरूप से परिचित होता है–निर्मल, अखंड और पूर्णतः मुक्त।

-प्रो. आरके जैन

सुधारों में देरी यानी सुधारों से इनकार, अब रोजमर्रा का हिस्सा बनें सुधार

भारत आर्थिक अवसर गंवाने के मामले में विश्व चैंपियन है। स्वतंत्रता के बाद हमने मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल अपनाया, जबकि औपनिवेशिक काल के बाद विकास कर रहे अन्य देश पूंजीवादी व्यवस्था की ओर बढ़ रहे थे। जिस समय जापान और एशियाई दिग्गज विनिर्माण तथा निर्यात में एक दूसरे को टक्कर देने की क्षमता तैयार करने में जुटे थे तब हमने लाइसेंस-परमिट राज अपनाया और अपने उद्यमियों को जकड़ लिया।

चीन ने उसी एशियाई दिग्गज मॉडल का इस्तेमाल कर 1980 के दशक के उत्तरार्ध में सुधार शुरू किया मगर हमारी आंखें तब भी नहीं खुलीं। हमने लाइसेंस-परमिट राज तब छोड़ा, जब 1990 के दशक में बाहरी दिवालियापन ने हमें मजबूर कर दिया। लेकिन तब भी हमने अपने फैक्टर बाजारों (श्रम, भूमि, कृषि) तथा सामाजिक क्षेत्रों (स्वास्थ्य और शिक्षा) को मुक्त कर सुधार का चक्र भी पूरा नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि विनिर्माण क्रांति को लांघकर हम सीधे सीधे सेवा क्षेत्र में चले गए, जहां व्यापार के लिए सरकार की ओर से बाधाएं कम थीं।

हमें समझना होगा कि जब सुधार में बहुत देर हो जाती है तो कारोबार दूसरे विकल्प अपनाकर समस्या का समाधान ढूंढ लेते हैं। आज विनिर्माण में कम श्रम लगाने और बहुत पूंजी खाने वाले निवेश से उतना रोजगार नहीं आएगा, जितना तीन दशक पहले आ सकता था। सरकार ने 'समाज के समाजवादी पैटर्न' को अपनाने के चक्कर में जो बाधाएं खड़ी कीं, उद्यमी उन्हें लांघ गए।

इसका यह अर्थ नहीं है कि मोदी सरकार के उदारीकरण और सुधारों के वादों का कोई महत्व नहीं है, लेकिन आज उनसे उतना रोजगार नहीं मिलेगा, जितना 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में मिल सकता था। किंतु उदारीकरण से जुड़े सुधार पूरी लगन से लागू हों तो विनिर्माण क्षेत्र को नया जीवन मिलेगा, जिससे सेवा क्षेत्र में रोजगार पैदा होंगे। सेवाओं का विकास तभी होगा जब बेचने और सेवा देने के लिए वास्तविक उत्पाद उपलब्ध हों।

न्याय की ही तरह सुधार में देर का मतलब सुधार से वंचित करना है। सुधारों में विलंब की भारी कीमत सरकारी खजाने को भी चुकानी पड़ती है। चूंकि रोजगार में सकल घरेलू उत्पाद से धीमी वृद्धि हो रही है, इसलिए अशांत युवाओं को हिंसक तथा अराजक होने से रोकने के लिए सरकार को लगातार मुफ्त सहायता देनी पड़ रही है। लेकिन रोजगार देने वाली सेवाओं में सुधार करने में अभी देर नहीं हुई है। इसमें शिक्षा और स्वास्थ्य शामिल हैं, जो उत्पादक और शिक्षित कार्यबल के लिए आवश्यक हैं। हमारी प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था बेहद खराब है। यह अधिकतर बच्चों में सीखने की क्षमता ही विकसित नहीं कर पाती, जो भविष्य के तकनीक से चलने वाले कामकाजी माहौल में सफल होने के लिए जरूरी है। प्राथमिक शिक्षा का उद्देश्य बच्चे में पढ़ने, लिखने और गिनने की बुनियादी क्षमता विकसित करना है, लेकिन ज्यादातर बच्चे रटकर ही याद करते हैं। स्नातक शिक्षा का उद्देश्य युवाओं को समस्या सुलझाने और रोजगार योग्य कौशल सीखने लायक बनाना है।

-सुनील कुमार महला

राष्ट्रीय ध्वजः राष्ट्र की अखंडता का अमर प्रतीक

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी राष्ट्र का सबसे गौरवपूर्ण प्रतीक होता है। वह केवल रंगों से सजा हुआ एक वस्त्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सामूहिक चेतना, उनके संघर्ष, उनके बलिदान, उनकी संस्कृति और उनके भविष्य के सपनों का सजीव स्वरूप होता है। जब कोई राष्ट्र अपने ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराता है, तब वह केवल एक झंडा नहीं लहराता, बल्कि अपने इतिहास, अपने स्वाभिमान और अपनी राष्ट्रीय अस्मिता को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित करता है। भारत में हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य कारण यह है कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। यह दिवस हमें अपने राष्ट्रीय गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और ध्वज रूपी प्रतीक-जैसे साहस, शांति और समृद्धि की याद दिलाता है। भारत का तिरंगा भी इसी गौरव, त्याग, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक लहराती हुई धारा स्वतंत्रता संग्राम के उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों की स्मृति को जीवित करती है, जिन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर इस ध्वज को सम्मान दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में एकता की महान परंपरा का प्रतिनिधि है। भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला विशाल देश है, लेकिन जब तिरंगा आकाश में लहराता है तो सारी विविधताएं एक राष्ट्रीय पहचान में समाहित हो जाती हैं। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। वह हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी व्यक्तिगत पहचान से ऊपर हमारी राष्ट्रीय पहचान है और राष्ट्र सर्वोपरि है।

राष्ट्रीय ध्वज का महत्व केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक के जीवन में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यबोध का संस्कार जगाने वाला प्रेरणा-स्रोत है। विद्यालयों में ध्वजारोहण, सेना के शिविरों में तिरंगे को सलामी, खिलाड़ियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगे के साथ विजय-उत्सव तथा वैज्ञानिकों द्वारा अंतरिक्ष अभियानों में राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन-ये सभी दृश्य हमें यह अनुभव कराते हैं कि ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की जीवंत अभिव्यक्ति है। भारतीय तिरंगे का प्रत्येक रंग अपने भीतर एक गहन संदेश समेटे हुए है। केसरिया रंग हमें त्याग, साहस और निस्वार्थ नेतृत्व की प्रेरणा देता है। यह बताता है कि राष्ट्र के निर्माण में व्यक्तिगत स्वार्थों का नहीं, बल्कि समर्पण और बलिदान का महत्व है। सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का प्रतीक है। यह हमें जीवन और शासन दोनों में नैतिकता तथा सद्भाव बनाए रखने का संदेश देता है। हरा रंग समृद्धि, प्रकृति, कृषि और विकास का प्रतीक है, जो भारत की जीवनदायिनी धरती और उसके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता, न्याय, धर्म और सतत प्रगति का संदेश देता है। यह हमें याद दिलाता है कि ठहराव मृत्यु है और निरंतर आगे बढ़ना ही जीवन का नियम है।

राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वह केवल वर्तमान पीढ़ी का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय चेतना का आधार है। यदि किसी समाज में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान कम होने लगे, तो धीरे-धीरे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक विश्वास और सामूहिक उत्तरदायित्व भी कमजोर होने लगते हैं। राष्ट्र पहले भावनाओं से जुड़ता है, बाद में व्यवस्थाओं से। राष्ट्रीय ध्वज उन्हीं भावनाओं का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। दुर्भाग्य की बात है कि समय-समय पर कुछ सामाजिक और राजनीतिक तत्व अपने तात्कालिक स्वार्थों, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या वैचारिक कटुता के कारण राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बना देते हैं। कभी राष्ट्रीय ध्वज को राजनीतिक मंचों पर अनावश्यक विवादों में घसीटा जाता है, कभी उसकी गरिमा को कम करने वाले वक्तव्य दिए जाते हैं और कभी उसे केवल दलगत दृष्टि से देखने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि राष्ट्रीय प्रतीक किसी दल, सरकार या विचारधारा के नहीं होते, वे पूरे राष्ट्र की साझा धरोहर होते हैं। सरकारें बदलती रहती हैं, राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज सदैव राष्ट्र की स्थायी पहचान बना रहता है।

जब राष्ट्रीय प्रतीकों का उपयोग राजनीतिक लाभ या विरोध का माध्यम बन जाता है, तब सबसे अधिक क्षति राष्ट्र की सामूहिक चेतना को होती है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना नागरिक का अधिकार है, नीतियों पर प्रश्न उठाना स्वस्थ परंपरा है, किंतु राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, संविधान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बनाना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत है। राजनीतिक मतभेद राष्ट्रभक्ति के स्थान पर नहीं आ सकते। राष्ट्र से ऊपर कोई दल, कोई नेता और कोई विचारधारा नहीं हो सकती। कुछ लोग यह भूल जाते हैं कि राष्ट्रीय ध्वज पर आक्षेप वास्तव में उन लाखों बलिदानों का अनादर है, जिनके कारण यह ध्वज आज स्वतंत्र आकाश में लहरा रहा है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, रानी लक्ष्मीबाई और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष किसी दल के लिए नहीं, बल्कि इसी तिरंगे के सम्मान के लिए था। इसलिए, राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना केवल संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि ऐतिहासिक उत्तरदायित्व भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान केवल औपचारिक अवसरों तक सीमित न रहे। यह हमारे व्यवहार, विचार और सार्वजनिक जीवन का स्थायी संस्कार बने। विद्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास और उसके मूल्यों का समुचित अध्ययन कराया जाए। युवाओं को यह बताया जाए कि तिरंगा केवल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रत्येक दिन राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का स्मरण कराने वाला प्रेरक ध्वज है। सामाजिक संगठनों, सांस्कृतिक संस्थाओं और मीडिया को भी इस दिशा में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

आज डिजिटल युग में भी राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर उसकी गरिमा बनाए रखना, उसके उपयोग में संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करना और राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक प्रचार का साधन न बनने देना हम सभी का दायित्व है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा उसी जिम्मेदारी का सर्वोच्च स्वरूप है। राष्ट्रीय ध्वज हमें यह भी सिखाता है कि सच्चा राष्ट्रप्रेम केवल नारों में नहीं, बल्कि आचरण में दिखाई देता है। ईमानदारी से अपना कार्य करना, कानून का पालन करना, सामाजिक सौहार्द बनाए रखना, पर्यावरण की रक्षा करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहना और राष्ट्रहित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना-ये सभी तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हैं। केवल ध्वज फहराना पर्याप्त नहीं, उसके आदर्शों को जीवन में उतारना अधिक आवश्यक है।

भारत आज विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, खेल, अर्थव्यवस्था और कूटनीति के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां तिरंगे की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर रही हैं। जब भारतीय वैज्ञानिक चंद्रमा पर सफलता का इतिहास रचते हैं, जब कोई खिलाड़ी ओलंपिक में तिरंगा लहराता है, जब सेना का जवान सीमा पर तिरंगे की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देता है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि राष्ट्रीय ध्वज केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशाओं, आकांक्षाओं और आत्मगौरव का अमर प्रतीक है। अंततः राष्ट्रीय ध्वज हमारी राष्ट्रीय आत्मा का दृश्य रूप है। वह हमें जोड़ता है, प्रेरित करता है और यह विश्वास दिलाता है कि मतभेदों के बावजूद हम एक हैं। उसकी गरिमा की रक्षा करना केवल सरकार का नहीं, प्रत्येक नागरिक का नैतिक और राष्ट्रीय दायित्व है। जिस दिन प्रत्येक भारतीय यह समझ लेगा कि तिरंगे का सम्मान वास्तव में अपने राष्ट्र, अपने इतिहास और अपने भविष्य का सम्मान है, उस दिन राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक चेतना की जड़ें और अधिक सुदृढ़ होंगी। तिरंगा हमारी आन है, हमारी बान है, हमारी शान है और हमारे अमर राष्ट्रीय स्वाभिमान का सर्वोच्च प्रतीक है। इसकी प्रतिष्ठा में ही भारत की प्रतिष्ठा निहित है।

-ललित गर्ग

आत्मसंयम की कुंजी

आत्मसंयम तथा धैर्य खुशहाल, सफल व संतुलित जीवन के लिए आवश्यक गुण हैं। परंतु इनको स्वयं में स्थापित करने के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा है क्रोध। क्रोध मनुष्य का एक स्वाभाविक भाव है, परंतु जब यह अनियंत्रित हो जाता है, तब यह व्यक्ति के जीवन में अनेक समस्याओं और विपत्तियों का कारण बनता है। क्रोध के प्रभाव में लिया गया निर्णय अक्सर गलत साबित होता है, जिससे परिवार, समाज और कार्यस्थल में तनाव, विवाद तथा संबंधों में दूरी उत्पन्न हो जाती है। इसलिए क्रोध पर नियंत्रण रखना एक सफल और सुखी जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। सहज योग एक ऐसी आध्यात्मिक साधना है जो व्यक्ति को भीतर से शांत, संतुलित और जागरूक बनाकर क्रोध पर नियंत्रण रखने की शक्ति प्रदान करती है।

सहज योग की स्थापना परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने की। इसका मुख्य उद्देश्य आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से मनुष्य की आंतरिक शक्तियों को जागृत करना और उसके जीवन में संतुलन स्थापित करना है। सहज योग में कुंडलिनी शक्ति के जागरण के पश्चात व्यक्ति अपने भीतर शांति, आनंद और निर्मलता का अनुभव करता है। नियमित ध्यान करने से मन के अनावश्यक विचार कम होने लगते हैं, जिससे चिड़चिड़ापन, तनाव और क्रोध स्वतः घटने लगते हैं। जब मन शांत होता है, तब व्यक्ति परिस्थितियों को धैर्य और विवेक के साथ समझता है तथा बिना आवेश के उचित निर्णय लेता है।

क्रोध पर नियंत्रण का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी पड़ता है। शांत स्वभाव वाला व्यक्ति दूसरों के साथ प्रेम, सम्मान और सहयोग का व्यवहार करता है। इससे पारिवारिक जीवन में सौहार्द बना रहता है और सामाजिक संबंध भी मधुर होते हैं। कार्यस्थल पर भी ऐसा व्यक्ति बेहतर नेतृत्व, सहयोग और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है। इस प्रकार सहज योग व्यक्ति को केवल मानसिक शांति ही नहीं देता, बल्कि उसे एक आदर्श नागरिक बनने की दिशा में भी प्रेरित करता है। सहज योग केवल ध्यान की एक विधि नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक श्रेष्ठ कला है।

आज के तनावपूर्ण और भागदौड़ भरे जीवन में सहज योग का महत्व और भी बढ़ गया है। आधुनिक जीवनशैली के कारण लोगों में तनाव, चिंता और क्रोध व आक्रामकता तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में सहज योग एक सरल, सहज और प्रभावी उपाय के रूप में हमारे सामने आता है। यह किसी विशेष आयु, धर्म या वर्ग तक सीमित नहीं है। नियमित ध्यान, आत्मनिरीक्षण और सकारात्मक जीवन-दृष्टि के माध्यम से सहज योग हमें अपने भीतर की शांति से जोड़ता है और जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना धैर्य एवं संतुलन के साथ करना सिखाता है।

भारत के बड़े शहरों की हकीकतः एक जैसे नहीं रोजगार, वेतन और महिलाओं के अवसर

शहरों से समृद्धि आती है। यहां प्रतिभाशाली लोग, उद्योग और निवेश एक साथ आते हैं, जिनसे उत्पादन बढ़ता है, रोजगार आते हैं और लोगों का जीवन स्तर बेहतर होता है। भारत की केवल एक-तिहाई आबादी शहरों में रहती है लेकिन देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा इन्हीं शहरों से चलता है। इनमें भी सबसे अधिक योगदान उन 46 शहरों का है जिनकी आबादी 10 लाख या उससे अधिक है। पिछले महीने तक इन शहरों की अलग-अलग तस्वीर हमारे सामने नहीं थी क्योंकि भारत की सांख्यिकीय व्यवस्था राज्यवार आंकड़े ही देती थी। स्थिति तब बदल गई, जब राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 'लेबर मार्केट डायनेमिक्स इन मिलियन प्लस सिटीज' नाम से पहली रिपोर्ट जारी की। इसमें सभी 46 बड़े शहरों का अलग-अलग विश्लेषण किया गया है। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि जनवरी 2025 से आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में प्रत्येक बड़े शहर को अलग सांख्यिकीय इकाई माना गया है।

यह रिपोर्ट देखने पर एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है, जिसे आम तौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है क्कू असली अंतर इन शहरों और देश के बाकी शहरों के बीच नहीं बल्कि इन्हीं बड़े शहरों के बीच है। पहली नजर में यह अंतर दिखाई नहीं देता। उदाहरण के लिए इन बड़े शहरों में बेरोजगारी दर 4.9 प्रतिशत है, जो शहरी भारत की 4.8 प्रतिशत बेरोजगारी दर के लगभग बराबर है। लेकिन बेरोजगारी से पूरी तस्वीर दिखाई नहीं देती। जब देखते हैं कि लोग कितने घंटे काम करते हैं और उसके बदले कितना कमाते हैं तो शहरों के बीच फर्क नजर आने लगता है। यह अंतर इतना अधिक है कि राष्ट्रीय औसत उसे नहीं दिखा पाता।

उदाहरण के तौर पर चेन्नई में एक कर्मचारी हफ्ते में औसतन 45.6 घंटे काम करता है और कोलकाता में 46.4 घंटे। दोनों शहरों की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र पर आधारित है। लगभग तीन-चौथाई लोग सेवा क्षेत्र में और चौथाई लोग उद्योग में काम करते हैं। यानी व्यापक स्तर पर दोनों शहर एक जैसे दिखाई देते हैं। मगर नियमित वेतन पाने वाले कर्मचारियों की आमदनी देखी जाती है तब बड़ा अंतर सामने आता है। चेन्नई का नियमित कर्मचारी औसतन 29,000 रुपये प्रति माह कमाता है मगर कोलकाता में औसत वेतन केवल 19,000 रुपये है।

गहराई में जाएं तो कोलकाता में केवल 51 प्रतिशत के पास नियमित वेतन वाली नौकरी है और चेन्नई में 71 प्रतिशत के पास। कोलकाता में 40 प्रतिशत लोगों का अपना रोजगार है और चेन्नई में केवल 24 प्रतिशत का। कोलकाता में खुद के रोजगार वाले औसतन 18,000 रुपये प्रति माह कमाते हैं, जबकि चेन्नई में उनकी आय लगभग 30,500 रुपये है। यानी कोलकाता में ज्यादा लोगों का अपना रोजगार है मगर उनकी कमाई चेन्नई के मुकाबले 60 प्रतिशत ही है। स्पष्ट है कि किसी व्यक्ति की आय केवल उसकी मेहनत पर निर्भर नहीं करती बल्कि इस पर भी निर्भर करती है कि वह किस शहर में काम कर रहा है। अलग-अलग शहरों में उद्योगों की संरचना, रोजगार की गुणवत्ता और उत्पादकता अलग होती है, जिसका सीधा असर मजदूरी और आय पर पड़ता है।

यहीं पर बड़े शहरों में रोजगार से जुड़ी आम धारणा को अलग नजरिये से देखना होगा। यह सही है कि बड़े शहरों में वेतन वाली नौकरियां और औसत कमाई शहरी भारत के मुकाबले ज्यादा होती हैं। लेकिन औसत तो केवल कुछ लोगों की आय बहुत अधिक होने से भी बढ़ सकता है चाहे बाकी कर्मचारियों को उससे बहुत कम वेतन मिल रहा हो। कोई शहर इसलिए समृद्ध दिखाई दे सकता है क्योंकि वहां कुछ बड़ी कंपनियां अपने कर्मचारियों को अच्छा वेतन देती हैं जबकि सामान्य कर्मचारी की आय कम होती है। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में औसत वेतन देश के अन्य क्षेत्रों से अधिक है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि औसत आय कितनी ज्यादा है, सवाल यह है कि उसका फायदा कितने कर्मचारियों तक पहुंच पाता है।

महिलाओं को देखें तो तस्वीर और भी चिंताजनक हो जाती है। महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अधिक होने का अर्थ यह नहीं है कि उन्हें समान वेतन भी मिल रहा है। उदाहरण के लिए ग्रेटर विशाखापत्तनम में 34.6 प्रतिशत महिलाएं श्रमबल का हिस्सा हैं जो भारतीय मानकों के अनुसार अच्छी भागीदारी मानी जाती है। वहां महिलाएं हर हफ्ते पुरुषों की तुलना में केवल 8 घंटे कम काम करती हैं मगर नियमित वेतन वाली महिलाओं की मासिक आय पुरुषों की तुलना में केवल 54 प्रतिशत है। उनकी औसत आय केवल 18,330 रुपये है, जबकि पुरुषों की 33,707 रुपये है। महिलाओं के काम के घंटे पुरुषों के काम के घंटों के 80 प्रतिशत हैं मगर उनका वेतन पुरुषों के वेतन का केवल 54 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि महिलाएं कार्यबल में हैं मगर उन्हें समान लाभ नहीं मिल रहा, जिसका पता श्रम भागीदारी के आंकड़ों से नहीं चल पाता।

बड़े शहरों में भी यही असमानता दिखती है। सबसे बड़े नमूनों वाले 13 शहरों में से हरेक में नियमित वेतन वाली महिलाओं की आय पुरुषों से कम है। कहीं अंतर बहुत अधिक है तो कहीं कम। विशाखापत्तनम में महिलाओं का वेतन पुरुषों के वेतन का केवल 54 प्रतिशत है तो दिल्ली में 89। महिलाओं की श्रम भागीदारी दर बढ़ने का अर्थ उनके लिए रोजगार के अच्छे और पर्याप्त अवसर होना नहीं है। सभी बड़े 46 शहरों में रोजगार, शिक्षा और प्रशिक्षण से बाहर रहने वाली युवा महिलाओं की संख्या युवा पुरुषों से अधिक है। इसका कारण पूछने पर 68.7 प्रतिशत महिलाओं का जवाब था क्कू बच्चों की देखभाल और घर के काम। पुरुषों में यही कारण बताने वाले केवल 1 प्रतिशत थे।

दोनों असमानताओं को मिलाएं तो एक अहम बात सामने आती है क्कू देश लाख से अधिक आबादी वाले शहरों को एक ही श्रेणी में रखना सही नहीं है। इन शहरों के बीच इस बात में बहुत बड़ा अंतर है कि समान के काम के लिए कितना वेतन दिया जाता है और विशेष रूप से महिलाओं को उनके काम का कितना उचित पारितोषिक मिलता है। अर्थशास्त्री लंबे समय से यही मानते रहे हैं कि किसी शहर का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि लोगों, उद्योगों और संसाधनों के एक स्थान पर हो होने से उत्पादकता बढ़ती है।

इसी बढ़ी हुई उत्पादकता का सबसे स्पष्ट लाभ अधिक वेतन के रूप में दिखाई देता है। लेकिन जब समान आकार और लगभग समान आर्थिक संरचना वाले दो शहर एक जैसे कार्य के लिए अलग-अलग वेतन देते हों और किसी शहर में महिलाओं की बड़ी संख्या या तो कार्यबल से बाहर हो या कम वेतन पा रही हो तब इसका अर्थ है कि शहरीकरण और आर्थिक केंद्रीकरण से मिलने वाला लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंच रहा।

-धनंजय राजौरा

आसमान से बरसा अमृत, फसलों को मिला जीवनदान

सुबह से जारी रिमझीम बारिश, गर्मी से भी मिली राहत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 11 दिनों से बारिश की बाट जोह रहे नगरवासियों और किसानों की उम्मीद मंगलवार को पूरी हुई। इस दिन सुबह से ही आसमान से अमृत बरसना शुरू हो गया जो दोपहर तक जारी रहा। जिससे मौसम में भी ठंडक घुल गई तो फसलों को भी नया जीवनदान मिला। किसानों की माने तो इससे लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी फसलों में फिर से नई जान आएगी।

इससे पहले रविवार शाम को शहर के कुछ हिस्सों में 10 से 15 मिनट तक हल्की बारिश हुई थी, जबकि कई इलाकों में सूखा रहा। सोमवार को भी कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा दर्ज की गई थी। लेकिन कुछ देर बाद आसमानर साफ हो गया था ओर बादल भी रवाना हो गए थे। मंगलवार सुबह से मौसम में बदलाव आया और शहर में रिमझिम बारिश शुरू हो गई जो

दोपहर 12 बजे तक जारी रही। इसके बाद भी रुक-रुककर बारिश जारी रही। इस बारिशर ने लोगों को गर्मी और उमस से राहत प्रदान की। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार शाम तक जिले में इसी तरह का मौसम बना रह सकता है। इस दौरान कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। लंबे अंतराल के बाद हो रही इस बारिश से किसानों में भी अच्छी फसल की उम्मीद जगी है।

6 घंटे में 1 इंच बरसा पानी, रात में भी संभावना

सुबह करीब 6 बजे से नगर में बारिश की शुरूआत हुई जो दोपहर तक कभी तेज तो कभी रिमझीम बरसती रही। इस दोरान 1 इंच वर्षा दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि मंगलवार को नगर का अधिकतम तापमान 31.8 व न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री दर्ज किया गया। शाम तक नगर में 1 इंच वर्षा हो चुकी थी और अब तक 14 इंच वर्षा दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि रात में भी हल्की से मध्यम वर्षा संभावित है ओर आगामी दिनों में भी बारिश का दौर जारी रहेगा।

फसलों को मिला नया जीवन, अभी भी झमाझम बारिश की जरूरत

मंगलवार को हुई बारिश ने फसलों को नया जीवन दिया है। क्योंकि बारिश की लंबी खेंच के कारण फसलें मरणासन्न स्थिति में पहुंच गई थी। जिसे बारिश की जरूरत थी। मंगलवार को हुई बारिश से फसले फिर से लहलहाने लगेंगी। वहीं किसान अब कीटनाशका का छीड़काव भी कर सकेंगे क्योंकि बारिश होने से अब कीटनाशक का असर भी होगा और फसलों को इल्लियों से भी निजात मिलेगी। हालांकि अभी भी झमाझम बारिश की जरूरत है जिससे फसलों को और अधिक फायदा होगा।

पांच आरोपी लगा रहे थे जीत हार का दांव, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मोहन बड़ोदिया पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 3 लाख का माल जब्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एसपी प्रियंका शुक्ला के निर्देशन में जिले में जुआ एवं सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। मोहन बड़ोदिया पुलिस ने भी पैसे से जीत-हार का दांव लगा रहे पांच जुंआरियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से पुलिस ने हजारों रू. नगदी व जुंआ-सट्टा सामग्री जब्त की है।

सोमवार रात को थाने के उनि जीपी चैबे को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बनबोर के जंगल में स्थित एक कुएं के पास कुछ व्यक्ति रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर ताश से जुआ खेल रहे हैं। इस पर थाना प्रभारी द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित कर बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। पुलिस को देखकर जुआ खेल रहे व्यक्ति भागने

का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर मौके पर ही पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों में ललित पिता रामप्रसाद नाथ (42) निवासी ग्राम करजू, देवीसिंह पिता जीतमल(36) निवासी गोपालपुरा, राकेश पिता शिवनारायण (40) निवासी ग्राम सरसोदिया, प्रेमनारायण पिता रामेश्वर (50) निवासी ग्राम करजू, लक्ष्मीचंद उर्फ शेरुसिंह पिता हरिसिंह (48) निवासी ग्राम करजू शामिल हैं। जिनके कब्जे से पुलिस ने 65 हजार 100 नगद, 52 ताश के पत्ते, एक मोटर साइकिल, पुरानी अल्टो कार व 5 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों से 3 लाख का मशरूका जब्त किया गया है। जिनके खिलाफ पुलिस द्वारा धारा 13 मध्यप्रदेश पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अरविंदसिंह तोमर, उनि जीपी चैबे, सउनि लाखनसिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक जगदीश दांगी, आरक्षक सुरेश राठौर, शैलेन्द्र गुर्जर, शैलेन्द्र शर्मा, केशव शर्मा, रामेश्वर दांगी, अनिल सेन आरक्षक चालक विष्णु दांगी की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

कांधे पर 11 किलो का शिवलिंग लिए महाकाल दर्शन को निकली युवती

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को आस्था का अनोखा नजारा देखने को मिला। मुरैना और भिंड से आए दो श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हुए शहर से गुजरे। दोनों उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के दर्शन के लिए निकले हैं। इनमें एक युवती 11 किलोग्राम वजनी भगवान शिव की प्रतिमा कंधे पर लेकर यात्रा कर रही है।

मुरैना निवासी नितिन शर्मा ने बताया कि उन्होंने मुरैना से करीब 500 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू की है। यात्रा को 35 दिन हो चुके हैं। महाकाल के दर्शन के बाद वे ओंकारेश्वर जाएंगे। भिंड जिले की वंदना राठौर ने बताया कि वह प्रतिदिन 22 से 23 किलोमीटर पैदल चलती हैं। भगवान शिव की 11 किलोग्राम वजनी प्रतिमा को कंधे पर लेकर यात्रा कर रही हैं। उनकी पदयात्रा करीब 70 दिनों की है। रास्ते में मंदिरों और श्रद्धालुओं की ओर से भोजन की व्यवस्था की जाती है। महाकाल के दर्शन के बाद वह ओंकारेश्वर भी जाएंगी।

लोगों ने किया स्वागत, किया प्रोत्साहित- नगरवासियों ने भी इस अनोखी आस्था को प्रणाम किया और दोनो श्रद्धालुओं का स्वागत कर उन्हें यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। लोगों ने दोनो श्रद्धालुओं को आगामी यात्रा के लिए जरूरी सामान भेंट किया।

व्हॉट्सएप ग्रुप में लिखा सुसाईड नोट, लगाए प्रताड़ना के आरोप, शिक्षक ने ट्रेन के सामने कूदकर की आत्महत्या

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम सिरोलिया में एक निजी स्कूल के शिक्षक ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। यह कदम उठाने के पहले शिक्षक ने व्हाट्सएप ग्रुप में संदेश लिखकर कुछ लोगों पर मानसिक प्रताड़ना और अफवाह फैलाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस नरे मामला जांच में लिया है।

जानकारी के अनुसार यह घटना सोमवार शाम सिरोलिया रेलवे स्टेशन के पास पोल नंबर 1298/08 से 1298/06 के बीच हुई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मंगलवार को कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक की पहचान सिरोलिया निवासी सतीश (38) पिता मणीशंकर जोशी के रूप में हुई। वह गांव से करीब छह किलोमीटर दूर साजोद के एक निजी स्कूल में शिक्षक थे और प्रतिदिन पैदल स्कूल आते-जाते थे। आत्महत्या से पहले सतीश ने एक व्हाट्सएप ग्रुप में संदेश लिखकर आरोप लगाया कि कुछ लोग उनके बारे में गलत अफवाहें फैला रहे थे, जिससे वह पिछले दो महीने से मानसिक रूप से परेशान थे। उन्होंने दीपक (कालु) पाटीदार पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। साथ ही मित्रों और परिचितों से अंतिम प्रणाम करते हुए किसी को ठेस पहुंची हो तो क्षमा भी मांगी।

परिजनों ने भी कहा, परेशान करते थे कुछ लोग- परिजनों के अनुसार सतीश की शादी नहीं हुई थी। भाई राहुल ने बताया कि इसी बात को लेकर गांव के कुछ लोग उन्हें परेशान करते थे, जिससे वह मानसिक तनाव में रहने लगे थे। सोमवार शाम इंदौर-कोटा ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। मामले में मक्सी थाना प्रभारी मदन इवने ने बताया कि आत्महत्या से पहले व्हाट्सएप ग्रुप में संदेश पोस्ट किए जाने की जानकारी मिली है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जयघोष के साथ हुआ गुरूदेव श्रीशीतलराजजी म.सा.का भव्य मंगल प्रवेश

पूज्यश्री के सानिध्य में चार माह तक बहेगी सामायिक और स्वाध्याय की धर्म गंगा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गत दिवस शाजापुर नगर की धन्यधरा गुरूभक्ति के रस में सराबोर हो गई। अवसर था, स्थानकवासी जैन संत पूज्य गुरुदेव श्री शीतलराजजी महाराज के चातुर्मास हेतु भव्य मंगल प्रवेश का। मीडिया प्रभारी मंगल नाहर ने बताया कि श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास 2026 के लाभार्थी स्व. कमलाबाई - स्व. कल्याणमलजी जैन के आत्म श्रैयार्थ परिवार हैं।

जिनके माध्यम से उक्त चातुर्मास महोत्सव में आचार्य प्रवर इतिहास मार्तंड पूज्य श्री हस्तीमलजी म.सा.के महासाधक शिष्य, कठोर तपसाधक, कुशल सेवामूर्ति, महास्थिवर, सूर्य अतापना धारी, आड़ा आसन त्यागी, सामायिक स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक परम पूज्य गुरुदेवश्री शीतलराजजी म.सा.का वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु भव्य मंगल प्रवेश सोमवार को नगर में हुआ। मंगल प्रवेश हेतु सुबह 9 बजे बैरछा रोड़ स्थित पगारिया फार्म हाउस से चल समारोह के रूप में प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गो से होते हुए लाल बहादुर शास्त्री मार्ग स्थित चातुर्मास स्थल आनंद निवास पहुंचकर धर्म सभा के रूप में सम्पन्न हुआ। चातुर्मास स्थल पर विशाल धर्म सभा का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि टोंक (राजस्थान) के पूर्व विधायक अजित मेहता तथा विशेष अतिथि अखिल भारतीय सामायिक - स्वाध्याय संघ के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण बम (इंदौर) उपस्थित रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, वरिष्ठ नेता योगेंद्रसिंह भी उपस्थित रहे। लाभार्थी संजय जैन ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया। संचालन सकल जैन समाज महामंत्री अजीत जैन ने किया तथा आभार लाभार्थी अभिषेक जैन ने माना। इसके पूर्व आनंद बहु मंडल, वल्लभ बहु मंडल, मीनल जैन, शीतल जैन, रानू लौढ़ा, नीतू जैन, मधु चैधरी तथा मधुबाला आदि ने धार्मिक स्तवनों की प्रस्तुतियां दी। इस दौरान सामायिक के अंतर्गत लक्की ड्रा भी खोला गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम विधायक अरूण भीमावद ने गुरूदेव के दर्शन किए। साथ ही प्रवेश में मुख्य रूप से ओसवाल समाज अध्यक्ष लोकेश जैन (बंटी), पोरवाल समाज अध्यक्ष प्रतीक जैन, वरिष्ठ समाजसेवी माणकचन्द नारेलिया, डॉ. विमल जैन, माणकचन्द बोथरा, एल.एन.व्यास, वीरेंद्रसिंह गोहिल, मदनलाल जैन, परम गुरूभक्त किशोरसिंह दरबार सहित बड़ी संख्या में गुरुभक्त नगरवासी उपस्थित रहे।

फरहान आत्महत्या मामले में परिजनों ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कन्नौद निवासी इरफान अली ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपकर अपने भतीजे फरहान अली की आत्महत्या के मामले में आरोपियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने और पुलिस अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। आवेदन के अनुसार, कन्नौद निवासी फरहान अली ने 23 मई 2026 की शाम सल्फास की गोलियां खा ली थीं, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने 24 मई को मर्ग क्रमांक 35/24.05.2026 दर्ज कर जांच शुरू की थी। परिजनों का आरोप है कि जांच के दौरान फरहान के मोबाइल फोन की कॉल रिकॉर्डिंग से यह सामने आया कि टाकलीखेड़ा निवासी जफर अली ने रुपए-पैसों के लेन-देन को लेकर उस पर मानसिक दबाव बनाया था। वहीं शानू पठान (शेख) के मोबाइल में मिली रिकॉर्डिंग के आधार

पर शम्माबाई नामक महिला द्वारा भी मृतक को पैसों के लिए परेशान किए जाने की बात सामने आई। परिजनों का दावा है कि ये सभी साक्ष्य पुलिस के पास मौजूद हैं, लेकिन दो माह बाद भी आरोपियों पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि मामले में समझौते के लिए दबाव बनाया जा रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, कन्नौद निवासी रहीस खां ने फोन पर एसडीओपी का हवाला देते हुए कहा कि ष्पुत्र पर एफआईआर दर्ज होने वाली है, इसलिए दबाव बनाकर समझौता कर लीजिए।ष् इसी प्रकार टाकलीखेड़ा निवासी मकसूद कुरैशी ने भी फोन पर समझौते के लिए दबाव बनाया। शिकायतकर्ता का कहना है कि रहीस खां ने स्वयं स्वीकार किया कि वह एसडीओपी का संदेश उन तक पहुंचा रहा था। इससे मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका पर भी सवाल खड़े होते हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने आरोपियों पर प्रकरण दर्ज कराने के लिए टीआई तहजीब काजी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौम्य जैन से भी गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई।

नायब तहसीलदार के घर ही हाथ साफ कर गए बदमाश

लालघाटी पुलिस ने शुरू की जांच, चोरी गए सामान का हो रहा आंकलन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अज्ञात बदमाशों ने दुपाड़ा रोड स्थित एक मकान में अज्ञात बदमाश चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इस मकान में नायब तहसीलदार किराए से रहते हैं। जो तीन दिन से शासकीय काम से बाहर गए हुए थे। जिसका फायदा उठाते हुए बदमाश सामान चुरा ले गए। लालघाटी पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। वहीं चोरी गए सामान का भी आंकलन किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार अज्ञात बदमाश मकान से दो पानी की मोटर, गैस सिलेंडर, घरेलू सामान और सुरक्षा के लिए लगे चार सीसीटीवी कैमरे तक चोरी कर ले गए। जानकारी के अनुसार यह मकान आई म्यूजिक टॉकीज के सामने स्थित कालोनी में है, जो पटवारी ललित कुंभकार का बताया जा रहा है जहां से बदमाश दो पानी की मोटर, एक गैस सिलेंडर, खाने-पीने का सामान और अन्य घरेलू वस्तुएं चोरी कर ले गए। सुरक्षा के लिए लगाए गए चार सीसीटीवी कैमरे भी अपने साथ ले गए। बताया गया है कि ये कैमरे पिछले तीन दिनों से बंद थे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल के पास एक लोहे की राड भी मिली है। पुलिस को आशंका है कि बदमाशों ने इसी की मदद से मकान में प्रवेश किया होगा। सूचना मिलते ही लालघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। चोरी हुए सामान का आकलन किया जा रहा है और अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए जांच जारी है।

जन अभियान परिषद ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की बैठक संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था रालामंडल श्री नारायण बापू लोक शिक्षा समिति आगरोद सेक्टर में आज मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला देवास जिला समन्वयक सुप्रिती यादव एवं ब्लॉक समन्वयक नीलम सोनी द्वारा आगरोद सेक्टर में जन अभियान परिषद ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति निकलंक एवं लक्ष्मीपुरा के बोर्ड का अवलोकन किया गया। संस्कार केंद्र का अवलोकन करते हुए बालक बालिकाओं को स्किल डेवलपमेंट के बारे में विस्तार से समझाया और भविष्य में अपने पांव पर खड़े होने के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया। ग्राम रालामंडल में नवांकुर संस्था के अध्यक्ष दिलीप सिंह पँवार की उपस्थिति में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की बैठक ली गई जिसमें ग्राम लक्ष्मीपुर से अध्यक्ष मोहन परमार, सचिव मनोज कलथिया, निकलंक से अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह पँवार, सचिव पोप सिंह सोलंकी, सुतार खेड़ा कबाडी धाम से अध्यक्ष घनश्याम सिंह पँवार, सचिव दुल सिंह पँवार, कोलू खेड़ी से सचिव रोहित अवस्थी के बीच सेक्टर बैठक संपन्न हुई। जिसमें आगामी योजना वृक्षारोपण कलश यात्रा एवं एक पेड़ मां के नाम विषयों पर चर्चा हुई। इसके पश्चात निष्कलंकेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में जल कुंड की सफाई हुई एवं जिला समन्वयक द्वारा ग्राम निकलंक में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की बैठक रखी गई। जिसमें सांसद प्रतिनिधि कमल आचार्य नरखेड़ी की उपस्थिति मेंजन अभियान परिषद कीआगामी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

स्वच्छता मे लापरवाही बरतने पर दरोगा की होगी सेवा समाप्त एसआई का कटेगा वेतन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्डो मे स्वच्छता को लेकर आयुक्त दलीप कुमार ने स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं दरोगाओं के साथ बैठक आहूत कर शहर में स्वच्छता निरंतर बनी रहे इसको लेकर दिशा निर्देश दिए। आयुक्त ने सर्वेक्षण गाईड लाईन को लेकर वार्डो में कचरा पाईंट, कचरा जलाना तथा नालियों से निकली गाद को तत्काल उठवाना, खुले प्लाटों को कव्हर करना जैसे मुख्य बिन्दुओं पर वार्डवार जानकारी दरोगाओं से ली।

उल्लेखनिय है कि निगम सहायोगी आई.ई.सी. टीम के सदस्यों के द्वारा प्रथक से वार्डो का सर्वे करवाकर मुख्य बिन्दुओ की जानकारी जिओ टेकिंग फोटो के माध्यम से लेकर बैठक में प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ देखी जिसमें वार्ड 1,2,7,10,11,12,17,20,22,25,28,29,32 ,34,36, 41,42 के वार्ड क्षेत्रों में कचरा पाईट एवं खुले में कचरा डला एवं कचरा जला हुआ पाया गया। आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए इन वार्डो के दरोगाओं को चेतावनी देते हुए स्वच्छता में लापवाही करने पर वेतन आहरण नही करने हेतु कहा तथा वार्डो मे स्वच्छता को लेकर तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने वार्डो में किसी भी प्रकार से कहीं पर भी कचरा एकत्रित ना हो ना ही कचरा जलाया जाना है, रहवासियों द्वारा सफाई के दौरान खुले स्थानों पर कचरा डाला जाता है तो रहवासियों को समझाईश दें समझाने के पश्चात भी पुनरू कचरा डाला जाता है तो चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए साथ ही सभी स्वच्छता निरीक्षकों को अपने वार्ड क्षेत्रों मे सफाई के दौरान निरीक्षण करने हेतु कहा तथा जिन क्षेत्रों में कचरा संग्रहण वाहन वार्डो में समय पर नही पहुंचते हैं। कचरा संग्रहण वाहन का वार्ड मे समय पर पहुंचने की शिकायतों का निराकरण करें तथा वार्डो मे कचरा संग्रहण वाहन की चेकिंग भी करने हेतु कहा।

आयुक्त के द्वारा वार्डो मे निरीक्षण के दौरान मुख्य मार्ग एबी रोड, मक्सी रोड तथा उज्जैन रोड के साथ भोपाल चौराहा से बायपास तक डिवाईडरों के आसपास एवं सर्विस रोड के साथ फ्लाय ओव्हर ब्रिज की भी सफाई किये जाने के सख्त निर्देश दिए साथ ही मुख्य बस स्टेण्ड पर सुबह, दोपहर, शाम तीनो समय सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित दरोगा को दिए। इसी प्रकार मुख्य मार्गो मे लीटर बीन समय पर खाली नही करने तथा लीटर बीन के आसपास कचरा पाये जाने पर भी वार्ड दरोगा एवं एसआई को सख्त चेतावनी देते हुए प्रतिदिन लीटरबीन की सफाई के साथ उक्त स्थानों पर सफाई व्यवस्था बनी रहे इसके भी निर्देश दिए। मुख्य मार्ग एबी रोड पर प्रातरू 7.30 बजे के पहले सफाई कार्य पूर्ण हो, उसके पश्चात एबी रोड पर जितनी भी व्यवसाईक दुकाने हैं उनके द्वारा कचरा सडक पर कचरा डालने पर चालानी कार्रवाई करने के साथ ही किये गये अस्थाई अतिक्रमणों को तत्काल हटाने तथा सामग्री जप्त करने के निर्देश आयुक्त ने स्वच्छता निरीक्षक एवं रिमुव्हल टीम प्रभारी को दिए।

सगे भाई ने अपने ही भाई के घर में की थी चोरी की वारदात

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुंदरसी पुलिस ने चार दिन पहले ग्राम घटियाखुर्द में हुई चोरी की वारदात का खुलासा किया है। जहां चोरी किसी ओर ने नही बल्कि फरियादी के सगे भाई ने ही की थी। पुलिस ने आरोपी से चोरी गया माल बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार 17 जुलाई को फरियादी कैलाश पिता बोंदूलाल चैहान निवासी घटिया खुर्द ने अपने घर से लगभग 500 ग्राम चांदी, जिसकी अनुमानित कीमत 95 हजार है की चोरी होने की शिकायत की थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन, एएसपी घनश्याम मालवीय तथा एसडीओपी डॉ. नागेंद्रप्रताप सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी सुंदरसी मनीषा शर्मा द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा प्रकरण की गंभीरता से जांच करते हुए संदेहियों से पूछताछ एवं साक्ष्यों के आधार पर महज 4 दिनों में चोरी का सफल खुलासा किया गया। जब पुलिस ने जांच और पूछताछ शुरू की तो आरोपी और कोई नहीं बल्कि फरियादी का सगा भाई ही निकला जिसने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी दीपक पिता बोंदूलाल चैहान निवासी घटिया खुर्द को गिरफ्तार कर उससे चोरी गई 500 ग्राम चांदी बरामद कर ली गई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक केदार पटेल, प्रधान आरक्षक नटवरलाल प्रजापति, प्रधान आरक्षक राजेश बोरासी, आरक्षक रविन्द्र कुशवाह, आरक्षक वृन्दावद एवं आरक्षक आशुतोष शर्मा की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

विज्ञान महाविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल मध्य प्रदेश का पत्र क्रमांक 2258 के आदेश एवं प्राचार्य प्रमोद कुमार पलाश्या के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति अभियान 2.0 नशे से दूरी है जरूरी अभियान स्व. तुकोजीराव पवार शासकीय विज्ञान महाविद्यालय देवास मे समपन्न हुआ। नशा मुक्ति अभियान की शुरूआत 15 जुलाई 2026 को मॉ सरस्वती की पुजा अर्चना के साथ की गई। कार्यक्रम संयोजक प्रो. अंकुर विश्वकर्मा द्वारा नशा मुक्ति अभियान से परिचित करवाया गया, इसके पश्चात प्राचार्य प्रमोद कुमार पलाश्या द्वारा नशे से होने वाली अनेक बिमारियों जैसे कैंसर के बारे मे समझाया गया। डॉ. ममता शाक्य द्वारा स्मोकिंग से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे मे समझाया गया प्रो. गिरिश शिव द्वारा नशे से दूरी से संबंधित उपायो पर विस्तृत समझाया गया। इसके पश्चात नशा मुक्ति जागरूकता रेली निकाली गई जिसमे प्राचार्य के साथ समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दूसरे दिन 16 जुलाई को प्राध्यापको की सहायता से विद्यार्थीयो के द्वारा नशे के प्रति जागरूकता संबंधि रिल्स बानई गई एवं शार्ट फिल्म प्रदर्शित की गई कार्यक्रम के अंत मे प्राचार्य द्वारा सभी को शपथ दिलाई गई। रिल्स प्रदर्शनी में पायल राजपूत, वैष्णवी शर्मा, दिपीका तॅवर, नन्दनी गुर्जर द्वारा अदभुत जागरूकता रिल्स बनाई गई। कार्यक्रम के तृतीय दिवस 17 जुलाई को जनजागरूकता संबंधित व्याख्यान डॉक्यूमेन्ट्री प्रदर्शन एवं शपथ से संबंधित कार्यक्रम संचालित किये गये। कार्यक्रम में विशेष व्याख्याता के रूप में प्रो. अंकुर विश्वकर्मा, डॉ. मेघा वाजपेई एवं प्रो. गणेश कुशवाह रहे। कार्यक्रम के अंतिम दिवस 21 जुलाई को निबंध, रंगोली, स्लोगन, चित्रकला, पोस्टर प्रतिगयोगिताओं का आयोजन किया गया।

कुशाग्र का आईआईटी रुड़की में चयन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षण संस्थान पायनियर पब्लिक स्कूल के होनहार छात्र कुशाग्र जैन का चयन देश के प्रतिष्ठित संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की में हुआ है। कुशाग्र ने ने जेईई मेन्स 2026 में 99.74 परसेंटाइल हासिल किए, वहीं जेईई एडवांस में आल इंडिया रैंक 8131 प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इससे पहले वर्ष 2023 में उन्होंने कक्षा 10वीं की परीक्षा 93.4 प्रतिशत एवं वर्ष 2025 में कक्षा 12वीं की परीक्षा 93.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। कुशाग्र की इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने बताया कि कुशाग्र ने नियमित अध्ययन, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर सफलता हासिल की है।

बड़नगर की बेटियों का कमाल - शिक्षा से सफलता तक रचा इतिहास

करुणा बनीं सहायक प्राध्यापक, हिया का जोमेटो में शानदार प्लेसमेंट

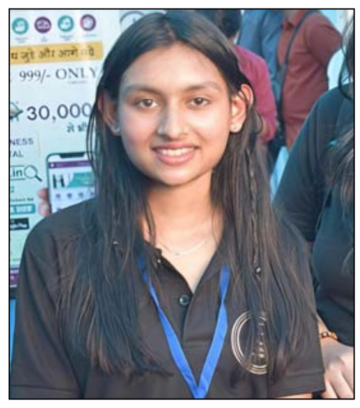

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। क्षेत्र की प्रतिभाशाली बेटियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। बंग्रेड निवासी लोटस कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा करुणा मोहनलाल नागर ने MPPSC परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सहायक प्राध्यापक के पद पर चयनित होकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

वहीं दूसरी ओर बड़नगर की होनहार छात्रा हिया राकेश संघवी ने भी सफलता की नई ऊंचाइयों को छूते हुए प्रतिष्ठित कंपनी जोमेटो में प्लेसमेंट हासिल कर युवाओं के लिए प्रेरणा का उदाहरण पेश किया है।

मेहनत और अनुशासन की मिसाल- संस्था संचालक जितेंद्रसिंह राजावत ने बताया कि करुणा और हिया दोनों ही छात्राएं प्रारंभ से ही मेधावी, अनुशासित और लक्ष्य के प्रति समर्पित रही हैं। दोनों ने लोटस कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, बंग्रेड़ से 12वीं की परीक्षा उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण की थी।

लगातार प्रयास से मिली सफलता- करुणा ने कठिन परिश्रम करते हुए NET 2024 क्वालिफाई किया और उसके बाद MPPSC में सफलता प्राप्त कर सहायक प्राध्यापक के पद पर चयनित हुईं।

वहीं हिया ने स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपनी काबिलियत के दम पर जोमेटो जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में स्थान बनाया।

परिवार और गुरुजनों को दिया श्रेय - दोनों छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। उनका कहना है कि सही मार्गदर्शन और समर्थन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर संस्थाध्यक्ष कमलसिंह राजावत, प्राचार्य राहुल कैलाश शर्मा एवं समस्त स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

22 जुलाई को छावनी अनाज मंडी में मनाया जाएगा एफटीए विरोधी किसान संकल्प दिवस

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 22 जुलाई को सुबह 10 बजे छावनी अनाज मंडी, इंदौर में एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) विरोधी किसान संकल्प दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर किसान एकत्र होकर ऐसे व्यापारिक समझौतों के विरोध में संकल्प लेंगे, जिनसे भारतीय कृषि, किसानों की आय एवं खाद्य सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

किसान नेताओं रामस्वरूप मंत्री, बबलू जाधव, चंदन सिंह बड़वाया, शैलेंद्र पटेल एवं सोनू शर्मा ने कहा कि विदेशी कृषि उत्पादों के बढ़ते आयात से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलने में कठिनाई हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों से व्यापक चर्चा किए बिना कृषि क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा ने सभी किसान संगठनों, कृषि श्रमिकों एवं किसानों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। कार्यक्रम के अंत में एफटीए एवं अमेरिकी सरकार का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया जाएगा।

दशनामी दत्त सेना की प्रदेश स्तरीय मंडल बैठक संपन्न

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। दशनामी दत्त सेना संगठन की प्रदेश स्तरीय मंडल बैठक रविवार को शुभ रत्न गार्डन इंगोरिया, जिला उज्जैन में संपन्न हुई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दत्त सेना के संरक्षक श्री 1008 स्वामी महामंडलेश्वर आनंद गिरि महाराज थे संगठन के प्रमुख ईश्वर गिरी नागवाडी व देवपुरी गोस्वामी ने बताया की कार्यक्रम की शुरुवात श्री महामंडलेश्वर ओर समाज के 20 मंडल महंतो ने भगवान दत्तात्रेय की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर की । बाद स्वामी महामंडलेश्वर का स्वागत ईश्वर गिरी एवं सभी मंडलों के महंतों द्वारा किया गया। श्री महामंडलेश्वर ने अपने उदबोधन में, कहां की समाज के समाधि स्थलों को अतिक्रमण मुक्त ,, एवं मठ मंदिरों की भूमि को सरकारी कारण से मुक्त करने के लिए सभी समाज बंधुओ को दत्त सेना के संगठन से जुड़ना आवश्यक है बाद गोस्वामी समाज मंडल बड़नगर की ओर से श्री महामंडलेश्वर का स्वागत अध्यक्ष देवपुरी गोस्वामी, व महंत जितेंद्र भारती ने किया अत में बाहर से पधारे सभी अतिथियों का आभार देवपुरी ने माना।

उन्हेल नगर की जनता की सेवा को मिल रहा सम्मान

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व मंडल अध्यक्ष मंगेश वर्मा मंडल कार्य समिति सदस्य कैलाश सुनहरी पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्ष के पुत्र राजेंद्र जैन ह्यद्व पूर्व पार्षद महिला मंडल मोर्चा अध्यक्ष बहन सविता माली मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की 19 उप धारा1के खंड ग् द्वारा पद्धत् शक्तियों को प्रयोग में लाते हुवे राज्य शासन द्वारा न नगर परिषद में वर्तमान परिषद से विस्तरी कार्यकाल या राज्य शासन के अन्य आदेश तक जो भी पहले तक के लिए उनके नाम के सामने अंकित व्यक्तियों को पार्षद के रूप में नाम निर्दिष्ट करना होगा जिसमें प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मंगेश सूरजमल वर्मा वार्ड नंबर 7 श्रीमती सविता माली वार्ड क्रमांक 12 श्री कैलाश मांगीलाल सुनहरी वार्ड क्रमांक 3 श्री राजेंद्र सुजानमाल जी जैन वार्ड क्रमांक 12 को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अन्य आदेश तक नियुक्त किया गया है।

एनएसयूआई नेताओं को पुलिस द्वारा उठाने पर कोतवाली में धरना

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिसकर्मी मंगलवार को गांधी चौराहे से नए एनएसयूआई जिलाध्यक्ष मंथन धनोतिया को कार से उठाकर थाने ले गए। पुलिस वालों को आशंका थी कि मंथन धनोतिया एवं अन्य एनएसयूआई कार्यकर्ता पीएम का पुतला दहन करने के उददेश्य से गांधी चौराहे पहुंचे हैं। धनोतिया व कार को जैसे ही पुलिस ने भांपा, वैसे ही उन्हें कार से उताकर हिरासत में ले लिया। कार में पूर्व जिलाध्यक्ष रीतिक पटेल व अन्य भी सवार थे। एनएसयूआई पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने की सूचना अन्य वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारियों को लगी तो वे कोतवाली पहुंच गए। यहां कोतवाली परिसर में ही निरीक्षक कक्ष के सामने धरने पर बैठ गए। धरने पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीतसिंह मनी, नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, युवा नेता सुनील बसेर, पूर्व पार्षद तरुण खींची सहित कई कांग्रेसजन शामिल रहे। यहां भी सांकेतिक धरना दिया गया। इस तरह बाद में कोतवाली पुलिस ने नए जिलाध्यक्ष धनोतिया सहित पूर्व जिलाध्यक्ष पटेल व अन्य को थाने से रिहा कर दिया। इस रिहाई के बाद भी कांग्रेसजनों में आक्रोश व्याप्त रहा। आक्रोश का कारण राहुल गांधी की दिल्ली में गिरफ्तारी रही। कांग्रेसजन गांधी चौराहे पहुंचे, यहां कांग्रेस कार्यालय के बाहर सांकेतिक सत्याग्रह किया। यहां गिरफ्तारी के विरोध में पूर्व जिलाध्यक्ष मनजीतसिंह मनी एवं अन्य सभी कांग्रेसजन गोलाई में लाइनबदध होकर धरने पर बैठे। कांग्रेसजन यह संदेश देना चाहते थे कि पुलिस द्वारा हिरासत में लेना गलत है, जिसका वह विरोध कर रहे थे। बता दें कि मंगलवार को दिल्ली में पीएम आवास के बाहर राहुल गांधी धरना प्रदर्शन कर रहे थे। यहां होहल्ला होता देख दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी को हिरासत में ले लिया। इसी के चलते यह आशंका थी कि एनएसयूआई के नए जिलाध्यक्ष धनोतिया एवं अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा पुतला दहन किया जा सकता है। पुतला दहन के पूर्व ही कोतवाली पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला का किया भव्य स्वागत

महाकाल की तस्वीर भेंट कर सफल कार्यकाल की दी शुभकामनाएं

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना, जिला शाजापुर द्वारा नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला से शिष्टाचार भेंट कर राजपूती परंपरा के अनुसार साफा बांधकर, पुष्पगुच्छ अर्पित कर आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर संगठन की ओर से उन्हें भगवान श्री महाकाल महाराज की पावन तस्वीर भेंट कर उनके सफल, यशस्वी एवं जनकल्याणकारी कार्यकाल की मंगलकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष कुं. धर्मेन्द्र सिंह सिसोदिया ने पुलिस अधीक्षक का शाजापुर आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना सदैव राष्ट्रहित, समाजहित, कानून व्यवस्था एवं सामाजिक समरसता के लिए कार्य करती रही है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती प्रियंका शुक्ला के कुशल नेतृत्व में जिले की कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आमजन को पारदर्शी, संवेदनशील एवं न्यायपूर्ण पुलिस व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

संगठन की ओर से पुलिस अधीक्षक को यह भी आश्वस्त किया गया कि महिला सुरक्षा, गौ संरक्षण, युवा जागरूकता, सामाजिक सौहार्द एवं जनहित से जुड़े प्रत्येक सकारात्मक अभियान में जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

स्वागत समारोह के दौरान राजपूती संस्कृति का सम्मान करते हुए पुलिस अधीक्षक को साफा पहनाया गया तथा पुष्पगुच्छ के साथ भगवान श्री महाकाल महाराज की दिव्य तस्वीर भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया।

उपस्थित सदस्यों ने बाबा महाकाल से उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल कार्यकाल की कामना करते हुए प्रार्थना की कि उनके नेतृत्व में शाजापुर जिला सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं अपराधमुक्त बने।

इस अवसर पर कबूलपुर ग्राम पंचायत के सरपंच जगदीश सिंह जादौन, बरवाल पंचायत के सरपंच गोविंद सिंह राजपूत, चौकी हैदर पंचायत के सरपंच चेतन ठाकुर, रिछोंदा पंचायत के सरपंच रामनाथ सिंह राजपूत, मेहंदी पंचायत के सरपंच ठा. पीरू सिंह राजपूत, लड़ावद पंचायत के सरपंच बलवान सिंह राजपूत, रामपुरा मेवासा पंचायत के सरपंच रवि भानेज, निपानिया डाबी पंचायत के सरपंच गोविंद सिंह सिसोदिया, श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के नगर अध्यक्ष शुभम सिंह तोमर सहित संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विभिन्न ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण, गरिमामय एवं आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में सभी उपस्थितजनों ने नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला को उज्ज्वल, सफल एवं जनसेवा से परिपूर्ण कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

उज्जैन महाकाल धाम से पधारे प्रीतम सिंह जी मेवाड़ा का मदाना सलसलाई में सादगी के साथ मनाया गया जन्मदिन

स्वागत के बाद श्री प्रीतम सिंह मेवाड़ा का काफिला भोपाल के लिए हुआ रवाना

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से पधारे जनपद घंटिया ब्लॉक में पदस्थ अधिकारी श्री प्रीतम सिंह मेवाड़ा (सांखला) का जन्मदिन सोमवार को ग्राम मदाना एवं सलसलाई में सादगी, आत्मीयता और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया गया।

जानकारी के अनुसार श्री प्रीतम सिंह मेवाड़ा अपने जन्मदिन पर प्रातः बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद मां बगलामुखी के दर्शन हेतु रवाना हुए थे।

रात्रि लगभग 8 बजे भोपाल जाते समय शाजापुर जिले के ग्राम मदाना जोड़ स्थित श्री मेहरबान सिंह मेवाड़ा (खरसोदा) के पेट्रोल पंप पर दीपक यादव दीप (उज्जैन वाले) मित्र मंडल के नेतृत्व में उनका आत्मीय स्वागत किया गया तथा केक काटकर सादगीपूर्वक जन्मदिन मनाया गया।

इसके बाद सलसलाई बस स्टैंड स्थित भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष श्री हेमंत मेवाड़ा के कार्यालय पर भी मालवा की पारंपरिक पगड़ी एवं भगवा दुपट्टा पहनाकर श्री प्रीतम सिंह मेवाड़ा का सम्मान किया गया तथा मिठाई खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर महेंद्र रघुवंशी (विश्व हिंदू परिषद), भोजराज सिंह (वकील साहब), जीतू सेठ, हेमंत मेवाड़ा, अलंकार मेवाड़ा, दीपक यादव, मुकेश जी (बैंक मैनेजर), गोविंद राजपूत, गोविंद मेवाड़ा, रघुनंदन (लाइनमैन), गोविंद सिंह, कॉमेडी किंग पवन सिंह सिसोदिया, गब्बर सिंह मेवाड़ा एवं पत्रकार अमर सिंह मेवाड़ा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे।

इस दौरान भोपाल के कृष्ण ढाबा संचालक राजू भैया, शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, प्रीतम सांखला तथा अन्य साथियों का भी पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया।

अपने संबोधन में श्री प्रीतम सिंह मेवाड़ा ने कहा कि आप सभी ने मेरे जन्मदिन को यादगार बना दिया। मुझे आप सभी का जो स्नेह, सम्मान और अपनापन मिला है, उसके लिए मैं दिल की गहराइयों से आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

वहीं दीप मित्र मंडल के संयोजक दीपक यादव दीप ने बताया कि श्री प्रीतम सिंह मेवाड़ा जनपद घंटिया में शासकीय अधिकारी के रूप में सेवाएं दे रहे हैं तथा चंद्रभागा नदी के उद्गम क्षेत्र के विकास एवं संरक्षण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कार्यक्रम के तपश्चात सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्री प्रीतम सिंह मेवाड़ा का काफिला मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के लिए रवाना हो गया।

विधायक मुकेश टंडन ने डेंगू जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डेंगू निरोधक माह के अंतर्गत जिले में डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने डेंगू जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न विकासखंडों के हाईरिस्क ग्रामों में भ्रमण कर लोगों को डेंगू, चिकनगुनिया तथा अन्य मच्छरजनित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करेगा।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखें तथा कहीं भी पानी का जमाव न होने दें, क्योंकि रुका हुआ साफ पानी एडीज मच्छर के प्रजनन का प्रमुख स्थान होता है। जागरूकता रथ के माध्यम से ग्रामीणों एवं आमजन को बताया जाएगा कि घरों में रखी पानी की टंकियों, कूलरों, गमलों, पुराने टायरों, नारियल के खोल, कबाड़ एवं अन्य पात्रों में पानी जमा न होने दें। नियमित रूप से कूलर खाली कर साफ करें तथा पानी के बर्तनों को ढककर रखें। साथ ही पूर्ण आस्तीन के कपड़े पहनने, मच्छरदानी एवं मच्छररोधी उपाय अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार डेंगू संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर एवं जोड़ों में दर्द तथा त्वचा पर लाल चकत्ते इसके प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में जांच एवं उपचार कराना चाहिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि डेंगू की एलाइजा आधारित जांच जिला चिकित्सालय एवं शासकीय मेडिकल कॉलेज, विदिशा में निःशुल्क उपलब्ध है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि डेंगू से बचाव के लिए स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और किसी भी संदिग्ध लक्षण की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय सलाह लें।

सरकारी जमीन पर कब्जा, आदेश बेअसर अतिक्रमण जस का तस, क्या प्रशासन बना ढाल?

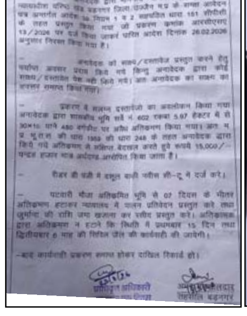

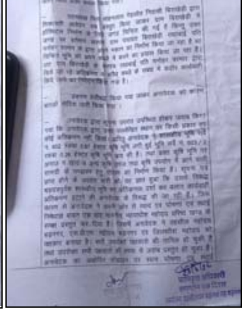

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शासकीय जमीन पर बने अवैध वेयरहाउस को हटाने के स्पष्ट आदेश, जुर्माना और समयसीमा–सब कुछ होने के बावजूद बीरियाखेड़ी में अतिक्रमण आज भी सीना ताने खड़ा है। सवाल सीधा है जब आदेश है तो कार्रवाई क्यों नहीं? ग्राम बीरियाखेड़ी की शासकीय भूमि सर्वे नंबर 602 पर लगभग 480 वर्गमीटर (4800 वर्गफीट) में पक्का वेयरहाउस खड़ा कर अतिक्रमण किया गया। पटवारी की रिपोर्ट के बाद तहसील स्तर पर कार्रवाई हुई, लेकिन आदेश में क्षेत्रफल को 480 वर्गफीट दर्शा दिया गया–यानी असली अतिक्रमण से कई गुना कम। इस गड़बड़ी ने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है।

कागजों में सख्ती, जमीन पर ढील–

तहसील न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने और जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए थे। लेकिन हकीकत?

अतिक्रमण नहीं टूटा
जुर्माना नहीं वसूला गया
और जिम्मेदारज खामोश!

क्या यह महज लापरवाही है, या फिर किसी को बचाने की कोशिश?

4800 को 480 बनाने का खेल?

आदेश में क्षेत्रफल कम दिखाए जाने से बड़ा सवाल उठ रहा है–क्या यह तकनीकी गलती है या जानबूझकर किया गया फायदा?

स्थानीय लोग इसे सीधे-सीधे प्रशासनिक मिलीभगत का मामला बता रहे हैं।

अतिक्रमण अडिग, सिस्टम निष्क्रिय–

जिस अवैध निर्माण को कुछ दिनों में हट जाना था, वह महीनों बाद भी जस का तस है।

ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार आवेदन देने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही–जबकि किसी भी कोर्ट से कोई स्टे ऑर्डर भी नहीं है।

गांव में गुस्सा, सड़क पर उतरने की चेतावनी–

अब गांव वालों का सब्र जवाब दे रहा है।

ग्रामीणों ने साफ कहा है–अगर 30 दिन में कार्रवाई नहीं हुई, तो तहसील कार्यालय के बाहर अनशन/भूख हड़ताल करेंगे।

छोटे लोगों पर तुरंत कार्रवाई, और यहां चुप्पी क्यों?–यह सवाल हर जुबान पर है।

आदेश के बावजूद कार्रवाई न होना, प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। अगर समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो यह मामला कानून की साख पर सीधा प्रहार साबित होगा।

अब नजर इस बात पर है–प्रशासन जागेगाज या अतिक्रमण ऐसे ही 'सरकारी जमीन' पर राज करता रहेगा?

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हरसोल में विवादः आदिवासी युवक ने घर पहुंचकर धमकी देने का लगाया आरोप, कांग्रेसजन पहुँचे पुलिस थाने

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट को लेकर हरसोल गांव में विवाद गहरा गया। गांव के आदिवासी युवक रमेश पिता सुमेरसिंह भील ने आरोप लगाया है कि उनकी सोशल मीडिया पोस्ट से नाराज होकर कुछ लोग देर रात उनके घर पहुंचे, गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी तथा भविष्य में इस प्रकार की पोस्ट नहीं करने की चेतावनी दी। मामले को लेकर मंगलवार को कांग्रेस नेताओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने नारायणगढ़ थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया और आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरसोल निवासी रमेश भील ने सोशल मीडिया पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा पेपर लीक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग तथा छात्रों के आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज को लेकर एक पोस्ट साझा की थी। पोस्ट में प्रधानमंत्री एवं शिक्षा व्यवस्था को लेकर तीखी टिप्पणी की गई थी। रमेश का आरोप है कि इसी पोस्ट से नाराज होकर हरसोल निवासी हिन्दू संगठन कार्यकर्ता कन्हैयालाल पिता अम्बालाल धनगर सोमवार रात करीब 11 बजे 5-6 साथियों के साथ उनके घर पहुंचा। पपीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने घर के बाहर गाली-गलौज शुरू कर दी और पूछा कि उसने इस प्रकार की पोस्ट क्यों डाली। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई और कहा गया कि यदि भविष्य में सोशल मीडिया पर ऐसी कोई पोस्ट डाली तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। रमेश ने अपने आवेदन में यह भी आरोप लगाया है कि उसके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया गया। साथ ही जबरन माफी मंगवाई गई और धार्मिक नारे लगाने के लिए भी दबाव बनाया गया। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य भी घर पर मौजूद थे, जो इस घटना से भयभीत हो गए। पीड़ित रमेश भील ने मंगलवार को पुलिस थाना नारायणगढ़ पहुंचकर लिखित आवेदन सौंपा। आवेदन में उन्होंने बताया कि आरोपी पहले से आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और स्वयं को प्रभावशाली बताते हुए पुलिस से भी नहीं डरने की बात कहता है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने तथा स्वयं एवं अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। जानकारी मिलते ही जिला कांग्रेस महासचिव अनिल शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजेश मालेचा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजित कुमठ, रामचंद्र करुण, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष पाटीदार, मंडलम अध्यक्ष गजराज सिंह चुंडावत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीण हरसोल से रैली के रूप में नारायणगढ़ थाना पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की। करीब एक घंटे तक थाने के बाहर प्रदर्शन हुआ। बाद में पुलिस अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर प्रदर्शन समाप्त हुआ। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति को सोशल मीडिया पोस्ट पर आपत्ति है तो उसे कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेना चाहिए, न कि किसी के घर पहुंचकर धमकी देना। नेताओं ने आरोप लगाया कि यह घटना लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। उन्होंने कहा कि यदि दोषियों के विरुद्ध शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर बड़ा जनआंदोलन करेगी, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। प्रदर्शन के दौरान मंडलम अध्यक्ष गजराज सिंह चुंडावत, कैलाश बंगारिया, सुनील भगत, पवन चंदावत, जितेंद्र कापड़िया आदी।

सरकारी योजनाओं में ढिलाई और शिकायतें लंबित मिलने पर अफसरों को फटकार

जिला पंचायत सीईओ ने समीक्षा बैठक में आयुष्मान कार्ड, आवास, संबल, उर्वरक वितरण और स्कूल नामांकन में सुधार के दिए निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत की समय-सीमा बैठक में सोमवार को कई विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। समीक्षा के दौरान समय-सीमा वाले पत्र, सीएम हेल्पलाइन और सीपीग्राम की शिकायतों के लंबित रहने, जनकल्याणकारी योजनाओं की धीमी प्रगति तथा विभिन्न विभागों में लक्ष्य के अनुरूप काम नहीं होने की स्थिति सामने आई। इस पर सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को फटकार लगाई।

बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए और सभी योजनाओं में तत्काल गति लाई जाए। प्रशासनिक संकुल में आयोजित बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कुमट ने विभागवार लंबित मामलों की समीक्षा कर समय-सीमा वाले पत्रों का तय अवधि में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं को समय पर राहत मिले और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता के साथ तेजी दिखाई जाए। सीपीग्राम पर लंबित शिकायतों का भी शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में आयुष्मान भारत निरामय योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने की धीमी प्रगति पर चिंता जताई गई। जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों को अभियान तेज करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना की भी समीक्षा कर लंबित कार्य जल्द पूरे करने को कहा गया। कृषि विभाग की समीक्षा में किसान क्रेडिट कार्ड, उर्वरकों की उपलब्धता, ई-विकास पोर्टल और लंबित आवेदनों की स्थिति पर चर्चा हुई। अधिकारियों को किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने और लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को सभी विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत नामांकन, अपार आईडी निर्माण और एजुकेशन पोर्टल-3.0 पर शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।

संबल योजना में पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत पंजीयन कराने और 100 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं एक पेड़ माँ के नाम अभियान की समीक्षा में पौधारोपण के साथ उसकी ऑनलाइन एंट्री और नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, वनमंडलाधिकारी अनुराग तिवारी, एडीएम अत्येंद्र सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर शाश्वत शर्मा, सभी एसडीएम और विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे।

कार में भारी मिली हजारों की अवैध शराब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मारुति स्विफ्ट कार में अवैध शराब का परिवहन होने की सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी की। कार में सवार युवक को हिरासत में लिया गया और मोबाइल जप्त करने के बाद हजारो की शराब बरामद की। युवक से पूछताछ जारी है।

खाचरोद थाना पुलिस ने बताया कि सर्किल भ्रमण के दौरान सूचना मिली कि मारुति स्विफ्ट कर में अवैध शराब का परिवहन हो रहा है। बड़ावदा क्षेत्र में घेराबंदी की गई कार को रोकने के बाद तलाशी ली गई विक्की में शराब की पेटियां भारी होना सामने आया। चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई उसने अपना नाम पंकज पिता परमानंद, निवासी रैदास कॉलोनी, बरगुण्डा मोहल्ला, खाचरोद बताया। पुलिस के अनुसार बरामद शराब 63 बल्क लीटर थी। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर कार और मोबाइल जप्त किया गया है। थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया के अनुसार शराब की कीमत 44 हजार से अधिक और कार की 8 लाख कीमत है।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में 134 विभिन्न मामलों में जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। इसमें राजस्व, एमपीईबी, पीडब्ल्यूडी, पीएचई, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत काफी संख्या में प्रकरण लंबित थे। इनका समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

तराना निवासी राजेन्द्र परिहार ने आवेदन दिया कि वे जनपद पंचायत तराना कार्यालय में भृत्य के पद पर कार्य कर रहे हैं। उन्हें विगत अक्टूबर 2025 से आज दिनांक तक विनियमित कर्मचारी के वेतनमान का भुगतान नहीं किया गया है। इस कारण से उनकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर हो गई है।

रिक्शा चार्ज पर लगा रहे युवक को लगा करंट, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रिक्शा चार्ज पर लगा रहे युवक को रात में करंट लग गया उसे परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन युवक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर जांच शुरू की है। नीलगंगा थाना क्षेत्र के कवेलू कारखाने के पीछे रहने वाला आनंद पिता लखन 19 साल ई रिक्शा चलाता था। उसके पिता भी रिक्शा चलाने का काम करते हैं। रात में आनंद रिक्शा लेकर घर लौटा था और चार्जिंग पर लगा रहा था इस दौरान करंट की चपेट में आ गया बारिश होने की वजह से ज़मीन गीली होने से उसे जोरदार झटका लगा था। रात में ही परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। ई रिक्शा चार्जिंग पर लगाते समय करंट लगने की 7 दिन में दूसरी घटना सामने आई है इससे पहले भेरूगढ़ क्षेत्र में रहने वाले युवक की रिक्शा चार्जिंग पर लगाते समय करंट लगने से मौत हुई थी।

नवीन फुटपाथ निर्माण के दौरान आमजन की सुरक्षा के लिए रेलिंग लगाई जाए-संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 के दौरान देश के विभिन्न राज्यों एवं शहरों से बड़ी संख्या में उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं निर्बाध यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकास कार्य प्रगतिरत है। मंगलवार को सिंहस्थ मेला अधिकारी एवं संभागायुक्त श्री आशीष सिंह तथा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने इंदौर रोड़ के नानाखेड़ा क्षेत्र में निर्माणाधीन फुटपाथ निर्माण कार्य और रंजीत हनुमान, गोंसा से सिंहस्थ बायपास तक नवीन फोर लेन मार्ग निर्माण कार्य का पैदल भ्रमण करते हुए निरीक्षण किया।

संभागायुक्त एवं मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को नियमित निरीक्षण के तहत इंदौर रोड़ नानाखेड़ा चौराहा पर आम जन की सुविधा के लिए निर्माणाधीन फुटपाथ निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

त्योहारों से पहले पुलिस का बदमाशों पर शिकंजा

थानों में तलब कर दी सख्त चेतावनी-आगामी रक्षाबंधन और अन्य बड़े त्योहारों को देखते हुए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण मास, नागपंचमी, रक्षाबंधन सहित आगामी बड़े त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में कराने के लिए उज्जैन पुलिस ने सोमवार सुबह से विशेष अभियान शुरू कर दिया। शहर के सभी थाना क्षेत्रों में आदतन अपराधियों और निगरानी बदमाशों को थानों में तलब कर उन्हें सख्त हिदायत दी गई कि त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी, हुड़दंग या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों ने बदमाशों को साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि किसी ने शांति भंग करने, विवाद पैदा करने या असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। त्योहारों के दौरान पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी। सीएसपी पुष्पा प्रजापति ने बताया कि त्योहारों को देखते हुए यह अभियान सोमवार सुबह से शुरू किया गया है। सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र के आदतन अपराधियों और निगरानी बदमाशों को थाने बुलाकर समझाइश दें तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पाबंद करें।

पुलिस का कहना है कि शहर में धार्मिक आयोजनों और त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। किसी भी प्रकार की अशांति, अराजकता या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि सभी पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें।

श्री जगन्नाथ उत्सव में श्वेता जोशी के भक्ति संगीत ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन), मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के संयुक्त तत्वावधान में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ परिसर में आयोजित सप्त दिवसीय श्री जगन्नाथ उत्सव के अंतर्गत सोमवार को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रसिद्ध शास्त्रीय एवं भक्ति गायिका श्वेता जोशी (धार) ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने भगवान श्रीजग

न्नाथ, श्रीकृष्ण एवं राधा रानी की भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। उनके मधुर स्वर, भावपूर्ण गायन एवं संगीत की सरसता ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया।

कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

देवास में जन्मी एवं पली-बढ़ी श्वेता जोशी बहुआयामी प्रतिभा की धनी कलाकार हैं। उन्होंने बाल्यावस्था से ही संगीत शिक्षा प्रारंभ की और शास्त्रीय, भक्ति एवं लोक संगीत में विशेष दक्षता प्राप्त की। वे आकाशवाणी एवं दूरदर्शन की स्वीकृत कलाकार हैं तथा देश के अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां दे चुकी हैं। उन्हें वर्ष 2021 में निर्मला पाठक अवॉर्ड तथा विक्रम महोत्सव-2025 में नारी शक्ति गौरव सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

सांस्कृतिक संध्या में श्वेता जोशी के साथ हारमोनियम पर राकेश महाराज, तबले पर जयेंद्र रावल, ढोलक पर ब्रजेश अंजना, ऑक्टापैड पर सौरभ वर्मा, गिटार पर हिमांशु मेहर एवं कीबोर्ड पर आकाश मल्होत्रा ने उत्कृष्ट संगत प्रदान की।

उल्लेखनीय है कि श्री जगन्नाथ उत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन प्रातःकालीन मंगला आरती से लेकर रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं।

सिंहस्थ निर्माण कार्यों में पकड़ी कमियां

संभाग आयुक्त ने रेलिंग नहीं होने और निर्माण गुणवत्ता पर जताई नाराजगी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ संबंधित निर्माण कार्यों का मंगलवार को सिंहस्थ मेला अधिकारी और कलेक्टर ने जायजा लिया और गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर नाराजगी जताई। इंदौर रोड के नानाखेड़ा क्षेत्र में निर्माणाधीन फुटपाथ तथा रंजीत हनुमान से गोंसा तक बन रहे सिंहस्थ बायपास फोरलेन मार्ग का संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में कई कमियां सामने आने पर अधिकारियों ने संबंधित विभाग को फटकार लगाते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए।निरीक्षण में पाया गया कि फुटपाथ पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए रेलिंग की व्यवस्था नहीं की गई है। इस पर संभागायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा और रेलिंग लगाने का काम प्राथमिकता से पूरा किया जाए। संभागायुक्त ने सड़क निर्माण में उपयोग हो रही सामग्री की गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश देते हुए कहा कि केवल समय पर काम पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता भी तय मानकों के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रतिदिन कार्य की मॉनिटरिंग करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।प्रशासन का कहना है कि सिंहस्थ-2028 में देशभर से लाखों श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। ऐसे में सड़क, फुटपाथ और यातायात से जुड़े सभी प्रोजेक्ट समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे होना जरूरी हैं, ताकि श्रद्धालुओं के साथ शहरवासियों को भी सुरक्षित और सुगम आवागमन की बेहतर सुविधा मिल सके।

सर्टिफिकेट इंजीनियर्स इंटरनेशनल लिमिटेड (सेल) सिंहस्थ कार्यों के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी आडिट एजेंसी नियुक्त - संभागायुक्त

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों में उच्चतम गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय पर काम पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिए, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण ने सर्टिफिकेशन इंजीनियर्स इंटरनेशनल लिमिटेड को सिंहस्थ प्रोजेक्ट्स के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट एजेंसी के तौर पर नियुक्त किया है। CEIL भारत सरकार का एक उपक्रम और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

TPQA व्यवस्था सिंहस्थ 2028 के लिए विभिन्न विभागों और एजेंसियों द्वारा किए जा रहे स्थायी और अस्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों की स्वतंत्र गुणवत्ता आश्वासन और चरण-वार तकनीकी जांच प्रदान करेगी। ऑडिट प्रक्रिया में निर्माण की गुणवत्ता, सामग्री, कारीगरी, स्वीकृत स्पेसिफिकेशन्स और मानकों का पालन, समय-समय पर निरीक्षण, सुधारात्मक कार्यों की निगरानी और समय पर निर्णय लेने में मदद के लिए ऑडिट रिपोर्ट जमा करना शामिल होगा।

उज्जैन संभाग के संभागायुक्त और सिंहस्थ 2028 के मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने कहा कि सिंहस्थ दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसके लिए सख्त समय-सीमा के भीतर बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की आवश्यकता होती है। इन सार्वजनिक संपत्तियों की गुणवत्ता और टिकाऊपन सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट के लिए भारत सरकार के एक स्वतंत्र PSU को शामिल करने से गुणवत्ता आश्वासन ढांचा मजबूत होगा, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी, और कार्यान्वयन एजेंसियों को कमियों की समय पर पहचान और सुधार में मदद मिलेगी।

श्री सिंह ने आगे बताया कि CEIL के पास देश भर में प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के गुणवत्ता ऑडिट और तकनीकी निरीक्षण का व्यापक अनुभव है और उसने पहले उज्जैन में श्री महाकाल लोक प्रोजेक्ट का सफलतापूर्वक थर्ड पार्टी ऑडिट किया था। इसके प्रमाणित अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता को देखते हुए, CEIL को इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए चुना गया है।

TPQA कार्य में 18,400 करोड़ से अधिक अनुमानित मूल्य वाले इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स शामिल होंगे, जिनमें सड़कें, पुल, घाट, सार्वजनिक सुविधाएं, जलापूर्ति, सीवरेज, विद्युत इंफ्रास्ट्रक्चर, आवास सुविधाएं और सिंहस्थ 2028 के लिए आवश्यक अस्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं।

दूध में मिलावट की जांच... डेयरियों और सप्लाई वाहनों से लिए सैंपल

खाद्य विभाग की कार्रवाई जारी, जांच के लिए भोपाल लैब भेजे गए सैंपल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में मिलावटी और घटिया गुणवत्ता के दूध की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर सोमवार को खाद्य विभाग की टीम ने शहर की डेयरियों और दूध परिवहन करने वाले वाहन का निरीक्षण कर दूध के नमूने लिए। सभी सैंपलों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बसंत दत्त शर्मा ने बताया कि टीम ने संतोष डेयरी संतराम सिंधी कॉलोनी, पूजा डेयरी फार्म व्यास नगर तथा दूध परिवहन कर रहे वाहन क्रमांक MP-13-ZX-9612 से मिश्रित दूध के नमूने एकत्र किए। यह अभियान बाजार में बिक रहे दूध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और लोगों को शुद्ध दूध उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगातार चलाया जा रहा है। विभाग के अनुसार लैब से जांच रिपोर्ट मिलने के बाद यदि किसी नमूने में मिलावट या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित विक्रेता के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में दूध विक्रेताओं, डेयरियों और चिलिंग सेंटरों का निरीक्षण आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा।

उज्जैन में सुबह से शाम तक रिमझिम बारिश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मंगलवार सुबह से मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली। सुबह घने बादलों के बीच रिमझिम बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। लगातार 12 दिन तक मौसम साफ रहने के बाद रविवार को करीब एक इंच बारिश हुई थी। इसके बाद सोमवार को दिनभर बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई। मंगलवार सुबह फिर से बूंदाबांदी शुरू होने से मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया। बारिश और बादलों की वजह से दिन और रात दोनों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वेधशाला के अनुसार मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान 24.02 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सोमवार को अधिकतम तापमान घटकर 31.2 डिग्री सेल्सियस रह गया। वेधशाला अधीक्षक डॉ. आर.पी. गुप्त ने बताया कि उज्जैन सहित पूरे मालवा क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इसके प्रभाव से अगले तीन-चार दिन तक मौसम इसी तरह बना रहने और रुक-रुककर बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए उज्जैन में बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया है। मौसम में आए इस बदलाव से किसानों के साथ-साथ आम लोगों को भी राहत मिली है। हालांकि मौसम विभाग ने लोगों को बारिश के दौरान सतर्क रहने और आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है।

'परफेक्शन नहीं, आत्मविश्वास है सफलता का मूल मंत्र': पद्मश्री डॉ. शुभा अयंगर का युवा शोधकर्ताओं को गुरुमंत्र; सम्राट विक्रमादित्य विवि में NGMFT-2026 का आगाज

कुलगुरु प्रो. भारद्वाज बोले– नवाचार-आधारित शिक्षा ही आत्मनिर्भरता का मार्ग

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आत्मविश्वास पूर्णता से भी अधिक महत्वपूर्ण है। जीवन में आने वाली असफलताओं और चुनौतियों का निडर होकर सामना करते हुए मेहनत व लगन से काम करते रहना ही सफलता का असली मूल मंत्र है। यह प्रेरक संदेश भारत की प्रसिद्ध एयरोस्पेस वैज्ञानिक एवं पद्मश्री डॉ. शुभा अयंगर ने सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में आयोजित तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं संकाय विकास कार्यक्रम के भव्य उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. अयंगर ने अपने शोध कार्यों के साथ-साथ भारत की पहली स्वदेशी रनवे दृश्यता मापक प्रणाली (दृष्टि) के विकास की यात्रा को विद्यार्थियों और युवा शोधार्थियों के साथ साझा किया।

शिक्षा रटने तक सीमित न रहे, समस्या-समाधान का केंद्र बने- कुलगुरु- कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उच्च शिक्षा में नवाचार, व्यावहारिक अनुभव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की अनिवार्यता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल रटने का माध्यम नहीं, बल्कि स्थानीय और वैश्विक समस्याओं के समाधान का केंद्र बनने चाहिए। कुलगुरु प्रो. भारद्वाज ने आगे कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए वैज्ञानिक नवाचार और युवा प्रतिभाओं को उद्योगों व आधुनिक शोध से जोड़ना आवश्यक है। यह सम्मेलन केवल शोध-पत्रों के प्रस्तुतीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि अकादमिक जगत, उद्योगों और शोधार्थियों के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण करेगा।

अंतरराष्ट्रीय महाकुंभ का औपचारिक शुभारंभ- सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के रसायन एवं बायोकेमिस्ट्री अध्ययनशाला, भौतिकी अध्ययनशाला तथा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के सहयोग से आयोजित इस पाँच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आयोजन का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मंच पर कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा, कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. उमा शर्मा, डॉ. संजय वर्मा, डॉ. मंजूषा मीमरोठ एवं डॉ. उमेश कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत डॉ. उमा शर्मा ने किया, जबकि संचालन छात्रा अरीशा खान एवं शीतल पंड्या ने किया।

स्कूली छात्रों ने सीखीं वैज्ञानिक बारीकियां- सम्मेलन के दौरान स्कूली विद्यार्थियों के लिए आयोजित विशेष लैब विजिट में ऑक्सफोर्ड, उत्कृष्ट, नारायणा, उज्जैन पब्लिक स्कूल, कार्मेल कॉन्वेंट, मॉडल स्कूल, आर.के. बंसल और सेंट थॉमस जैसे प्रमुख विद्यालयों के 170 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर युवती ने कराया युवक का अपहरण

50 लाख की मांगी फिरौती, 10 लाख लेकर किया रिहा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर चार दिन की दोस्ती युवक को उस वक्त भारी पड़ गई, जब युवती उससे मिलने पहुंची और उसके गिरोह में शामिल साथियों ने युवक का अपहरण कर लिया। उसका अश्लील वीडियो बनाया और परिवार से 50 लाख की फिरौती मांगी। 26 लाख में सौदा तय किया गया। 10 लाख रूपये लिये गये। मामला पुलिस के पास पहुंचा तो पड़ताल शुरू की गई। संभावना है कि सभी जल्द पुलिस की हिरासत में होगें।

नरवर में रहने वाले हैदर पिता कलाम पटेल की कुछ दिन पहले सिहोर की रहने वाली युवती से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई। युवती ने काम की जरूरत होने की बात कहीं। 18 जुलाई की देर शाम युवती उज्जैन पहुंची। हैदर कार से उसे रेलवे स्टेशन लेने गया। जहां से हैदर उसे इंदौररोड स्थित परिचित की होटल लेकर आया। जहां काम की बात कराई गई। होटल से दोनों कार से निकले, उसी दौरान तपोभूमि के समीप 2 कारों में सवार होकर 5 से 6 व्यक्ति पहुंचे और हैदर की कार को रोक लिया। उन्होने हिन्दू युवती के साथ होने पर मारपीट की और हैदर की आंख पर पट्टी बांधकर अज्ञात स्थान पर ले गये। जहां उसका अश्लील वीडियो बनाया गया और 50 लाख की फिरौती मांगी गई। नहीं देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई। हैदर के परिवार ने 50 लाख देने में असमर्थता जताई तो 26 लाख में सौदा तय किया गया। परिवार ने 10 लाख की राशि अपहरणकर्ताओं तक पहुंचाई। आंखों पर पट्टी बांधकर एक दिन तक अज्ञात स्थान पर बंधक बनाकर रखने के बाद के बाद 19 जुलाई को हैदर का इंदौर रोड पर छोड़ दिया। 16 लाख की वसूली के लिये उसकी कार, चैन और घड़ी रख ली। सोमवार को हैदर ने अपने साथ हुई घटना की शिकायत नानाखेड़ा थाने पहुंचकर दर्ज कराई। पुलिस ने अपहरण, ब्लैकमेलिंग, अवैध वसूली सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर पड़ताल शुरू की है। मामले में नानाखेड़ा थाना प्रभारी नरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि शिकायत दर्ज कर अपहरण-ब्लैकमेलिंग में शामिल गिरोह की तलाश में सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जा रही है। तकनीकी साक्ष्यों से पता लगाने की कोशिश जारी है। सिहोर की रहने वाली युवती का नाम अंजली ठाकुर सामने आया है। उसे 10 लाख ठगने वाले गिरोह का साथी माना जा रहा है। गिरोह में शामिल एक युवक का नाम लोकेश शर्मा सामने आया है। पुलिस की टीम अलग-अलग स्थानों पर रवाना की गई है। संभावना है कि मामले का जल्द खुलासा किया जायेगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

जो कहा
वो किया
जो सोचा वो हुआ
क्या हिंदू क्या मुसलमान, क्या राम क्या रहीम,
क्या रविन्दर क्या रॉबर्ट सबके लिये समान कानून
मात्र 2 माह में 27 अप्रैल 2026 को उच्च स्तरीय समिति
गठन के बाद, 21 जुलाई 2026 को विधानसभा में ऐतिहासिक मंजूरी
विधानसभा में पारित
समान नागरिक संहिता
27 अप्रैल 2026
उच्च स्तरीय समिति का गठन
7 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति द्वारा देश के विभिन्न कानूनों और अन्य राज्यों के UCC मॉडलों का गहन तुलनात्मक अध्ययन
अभूतपूर्व जन-भागीदारी
सुझाव हेतु वेब पोर्टल लॉन्च
3.50 करोड़
संदेश नागरिकों को भेजे गए
10 लाख सुझाव मिले
मध्यप्रदेश के विधायी इतिहास में पहली बार
जिला और राज्य स्तर पर
50+ वृहद बैठकें
व्यावहारिक सुझाव संकलित
1,134+
ऐतिहासिक जनसमर्थन
93%
ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया
92%
पुरुष और महिलाएं समान कानून के पक्ष में
लैंगिक समानता और अधिकार
91%
ने भेदभावपूर्ण तलाक कानून हटाने का समर्थन किया
92%
ने बेटियों और माताओं को संपत्ति में समान अधिकार का समर्थन किया
सर्वसमुदाय का समर्थन
हिन्दू: 95% पुरुष
96% महिलाएं
मुस्लिम: 40% पुरुष
80% महिलाएं
ईसाई: 90% पुरुष
95% महिलाएं
सिख: 93% पुरुष
96% महिलाएं
21 जुलाई 2026
विधानसभा में पारित
प्रदेश की आधी आबादी, सभी बहनों को, दिया उनका हक़
D11064/26